NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

विजडम इंडिया

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 13 अंक: 185 लखनऊ, शनिवार 17 फरवरी 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

जीबीसी 4.0 के बाद ग्रेटर नोएडा में बिल्डर प्लाट्स की होगी बड़े स्तर पर नीलामी, लगेगी अरबों रुपए की बोली

लखनऊ ग्रेटर नोएडा। सीएम योगी के विजन अनुसार ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने 8 प्रकार के बिल्डर प्लॉट्स के आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि 18215 से लेकर 38711 स्क्वेयर मीटर प्रसार क्षेत्र वाले इन प्लॉट्स का रिजर्व प्राइस 83.78 करोड़ रुपए से लेकर 178.34 करोड़ रुपए के बीच निर्धारित किया गया है। उत्तर प्रदेश में समेकित विकास का खाका खींच रही योगी सरकार ने ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी–4.0) के आयोजन के साथ ही ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में हाउसिंग व कमर्शियल एक्टिविटीज को बढ़ावा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस क्रम में, सीएम योगी के विजन अनुसार ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने 8 प्रकार के बिल्डर प्लॉट्स के आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि 18215 से लेकर 38711 स्क्वेयर मीटर प्रसार क्षेत्र वाले इन प्लॉट्स का रिजर्व प्राइस 83.78 करोड़ रुपए से लेकर 178.34 करोड़ रुपए के बीच निर्धारित किया गया है। खास बात यह भी है कि बिल्डर प्लॉट आवंटन स्कीम के जरिए जिन प्लॉट्स का ऑक्शन किया जाएगा वह ग्रेटर नोएडा में बन रहे जेवर एयरपोर्ट के पास ही स्थित हैं। साथ ही, जिन सेक्टर्स में इस स्कीम के जरिए बिल्डर प्लॉट्स की नीलामी का मार्ग प्रशस्त होगा वह कनेक्टिविटी के लिहाज से भी बेहद अहम होगी। फिलहाल,

इस स्कीम के तहत ई–ऑक्शन प्रक्रिया के जरिए जिन प्लॉट्स की नीलामी होनी है उनकी ब्रोशर डाउनलोडिंग व रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो गई है तथा 1 अप्रैल 2024 अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। सीएम योगी के विजन अनुसार, ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने 8 प्रकार के बिल्डर प्लॉट्स के आवंटन की प्रक्रिया शुरू की है उनमें म्यू (एमयू), ओमीक्रॉन–1ए, इटा–02, सिग्मा–3 सेक्टर 36 व सेक्टर 12 प्रमुख हैं। प्रक्रिया के अंतर्गत म्यू सेक्टर के प्लॉट नंबर जीएच–02ई (जिसका वर्ग क्षेत्र 18215 स्क्वेयर मीटर निर्धारित है) का रिजर्व्ड प्राइस 87.78 करोड़ रुपए रखा गया है। इसी प्रकार ओमीक्रॉन–1ए सेक्टर में प्लॉट जीएच–01ध जीएच01ए (जो कि 30470.52 स्क्वेयर मीटर में फैला है) का रिजर्व्ड प्राइस 140.16 करोड़ रुपए निर्धारित की गई है। वहीं, इटा–02 सेक्टर के प्लॉट नंबर जीएच01ए (जोकि 28265 वर्ग मीटर में फैला है) का रिजर्व्ड प्राइस 143.02 करोड़ रुपए निर्धारित की गई है। वहीं, सिग्मा–3 सेक्टर के प्लॉट नंबर 151 (जो कि 30000 वर्ग क्षेत्र में फैला हुआ है) का रिजर्व प्राइस 138 करोड़ तथा प्लॉट नंबर 207 (जो कि 38771 मीटर वर्ग क्षेत्र में फैला हुआ है और स्कीम के तहत आवंटित होने वाला सबसे बड़े प्रसार क्षेत्र वाला प्लॉट है) का रिजर्व प्राइस 178.34 करोड़ रुपए रखा गई है जो कि सर्वाधिक है। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण जिन 8 चिह्नित बिल्डर प्लॉट्स के ई–ऑक्शन की

हरियाणा में पीएम मोदी का कांग्रेस पर वार, बोले– जो कभी नहीं चाहते थे राम मंदिर बने, वो भी जय सियाराम बोलने लगे

अपना हमला जारी रखते हुए मोदी ने कहा कि एक परिवार के मोह में फंसी कांग्रेस आज अपने इतिहास के सबसे दयनीय दौर से गुजर रही है। इनके नेता से अपना एक स्टार्टअप नहीं संभल रहा, ये लोग देश संभालने का सपना देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता एक–एक कर पार्टी छोड़ कर जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा में 9750 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, राष्ट्र को समर्पित और शिलान्यास किया। पीएम ने गुरुग्राम मेट्रो रेल परियोजना और एम्स रेवाडी की आधारशिला रखी। इस दौरान मोदी ने कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड– देश की आधे से अधिक आबादी को दशकों तक छोटी छोटी जरूरतों से दूर रखने का है, तरसाने का है। कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड– सिर्फ एक ही परिवार के हित को देशवासियों के हित से ऊपर रखने का है। कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड– घोटालों का है। कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड– सेना और सैनिक दोनों को कमजोर करने का है। ये बात याद रखना जरूरी हैं क्योंकि आज भी कांग्रेस की टीम, नेता,

नीयत वही है। अपना हमल जारी रखते हुए मोदी ने कह कि एक परिवार के मोह फंसी कांग्रेस आज अपन इतिहास के सबसे दयनीय दौ से गुजर रही है। इनके नेता अपना एक स्टार्टअप नहीं संभत रहा, ये लोग देश संभालने क सपना देख रहे हैं। उन्होंने कह कि कांग्रेस के नेता एक–एव कर पार्टी छोड़ कर जा रहे हैं आज स्थिति ये है

शिबू सोरेन के छोटे बेटे बसंत और सात अन्य विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

एजेंसी।

नई दिल्ली हेमंत कथित भूमि घोटाले से जुड़े धनशोधन के मामले में फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। झारखंड के 12 सदस्यीय मंत्रिमंडल में जिन नए चेहरों को शामिल किया गया है, उनमें झामुमो के चाईबासा से विधायक दीपक बिरुआ और बसंत सोरेन हैं। रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) प्रमुख शिबू सोरेन के सबसे छोटे बेटे बसंत सोरेन ने सात अन्य विधायकों के साथ शुक्रवार को चंपई सोरेन के नेतृत्व में बनी नयी सरकार में मंत्री पद की शपथ ली। बसंत सोरेन झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के छोटे भाई हैं। हेमंत कथित भूमि घोटाले से जुड़े धनशोधन के मामले में फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। झारखंड के 12 सदस्यीय मंत्रिमंडल में जिन नए चेहरों को शामिल किया गया है, उनमें झामुमो के चाईबासा से विधायक दीपक बिरुआ और बसंत सोरेन हैं। हेमंत सोरेन मंत्रिमंडल में शामिल रहे और अब चंपई सोरेन के मंत्रिमंडल में भी शामिल किये गये नेताओं में झामुमो के मिथिलेश कुमार ठाकुर, हफीजुल हसन और बेबी देवी के अलावा कांग्रेस के रामेश्वर उरांव, बन्ना गुप्ता और बादल पत्रलेख शामिल

हैं। शपथ ग्रहण समारोह राजभवन के बिरसा मंडप में हुआ और इस दौरान झामुमो नीत गठबंधन के वरिष्ठ नेता और अन्य सरकारी अधिकारी मौजूद थे। इससे पहले दो फरवरी को 67 वर्षीय चंपई सोरेन ने राज्य के 12वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उनके साथ वरिष्ठ कांग्रेस नेता आलमगीर आलम और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता सत्यानंद भोक्ता ने मंत्री पद की शपथ ली थी। झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के तुरंत बाद 31 जनवरी को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था। राज्य की 81 सदस्यीय विधानसभा में झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन के 47 विधायक हैं। इनमें झामुमो के 29, कांग्रेस के 17 और राजद का एक विधायक है। विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 26 और ऑल झारखंड स्टुडेंट्स यूनियन पार्टी (आजसू) के तीन विधायक हैं। इनके अलावा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी–लेनिनवादी) के एक–एक विधायक और दो निर्दलीय विधायक हैं। एक मनोनीत सदस्य भी है।

बहुमत के बावजूद विधानसभा में अरविंद केजरीवाल ने पेश किया विश्वास प्रस्ताव ,

एजेसी।

दिल्ली केजरीवाल की यह घोषणा कि वह प्रस्ताव लाएंगे, शराब नीति मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश होने से एक दिन पहले आई है।केजरीवाल ने एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा, ष्मैं आज दिल्ली विधानसभा में विश्वास मत लाऊंगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वह भाजपा पर शहर की सरकार को गिराने के उद्देश्य से आप विधायकों को ष्खरीदनेष का प्रयास करने का आरोप लगाने के कुछ सप्ताह बाद विधानसभा में विश्वास प्रस्ताव पेश किया। केजरीवाल की यह घोषणा कि वह प्रस्ताव लाएंगे, शराब नीति मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश होने से एक दिन पहले आई है। खबर यह है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा में विश्वास प्रस्ताव पेश किया। सदन की कार्यवाही कल होगी और प्रस्ताव पर चर्चा होगी। सदन कल तक के लिए स्थगित हो गई है। विश्वास प्रस्ताव पेश करते हुए केजरीवाल ने कहा कि हम देख सकते हैं कि दूसरे राज्यों में झूठे मुकदमे लादकर पार्टियाँ तोड़ी जा रही हैं और सरकारें गिराई जा रही हैं।

10 सालों में मोदी सरकार ने कृषि–कृषक हित में हर जरूरी निर्णय लिए – अनुराग ठाकुर

एजेंसी

नई दिल्ली अनुराग ठाकुर ने कहा, ष मोदी सरकार किसानों के कल्याण के लिए सदा समर्पित रही है। पिछले कल केंद्र सरकार ने जारी गतिरोध के बीच किसान संगठनों को बातचीत के लिए निमंत्रण दिया था। कई किसान नेता आए और बेहद सार्थक चर्चा भी हुई है। हमने मिलकर अगली वार्ता रविवार को रखी है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने आज नई दिल्ली में किसान आंदोलन को लेकर संवाददाताओं से बातचीत की। अनुराग ठाकुर ने कहा, ष मोदी सरकार किसानों के कल्याण के लिए सदा समर्पित रही है। पिछले कल केंद्र सरकार ने जारी गतिरोध के बीच किसान संगठनों को बातचीत के लिए निमंत्रण दिया था। कई किसान नेता आए और बेहद सार्थक चर्चा भी हुई है। हमने मिलकर अगली वार्ता रविवार को रखी है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि रविवार को भी अच्छे माहौल में बातचीत होगी और हम मुद्दों के समाधान की ओर बढ़ेंगे।केंद्र द्वारा किए गए कार्यों के जवाब में अनुराग ठाकुर ने कहा, ष्खाद, पानी, एमएसपी पर खरीद, बैंकों से सस्ते ऋण और मुआवजे पर पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने जितना किया है वह आज से पहले किसी भी सरकार ने नहीं किया। 2013–14 में जब यूपीए की सरकार थी, तब कृषि बजट ध27 हजार 662 करोड रुपए था। अभी मोदी सरकार का कृषि बजट ध1 लाख 25 हजार करोड़ से ज्यादा है। यानी यूपीए काल से 5 गुना ज्यादा कृषि बजट। कांग्रेस के समय किसान सम्मान निधि नहीं थी, हमने किसान सम्मान निधि के माध्यम से 11 करोड़ से ज्यादा किसानों को 2 लाख 81 हजार करोड़ रुपए सीधा उनके बैंक खातों में हस्तांतरित किए हैं। यूपीए काल की फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानों को कुछ नहीं मिलता था। मोदी सरकार में डेढ़ लाख करोड़ से ज्यादा का

मुआवजा किसानों को मिला है। 10 हजार एफपीओ में से 8 हजार बन चुके हैं और इसे लाखों किसान भी जुड़ चुके हैं। अनुराग ठाकुर ने आगे एमएसपी पर बातचीत करते हुए बताया, ष्कांग्रेस के समय में गेहूं, धान, दलहन और तिलहन की कुल खरीददारी ध्5 लाख 50 हजार करोड़ रुपए की हुई। मोदी सरकार ने 18 लाख 39 हजार करोड़ रुपए की खरीददारी की। यानी लगभग साढ़े तीन गुना ज्यादा। इससे पता चलता है की हमने दाम भी बढ़ाए और खरीदारी भी दोगुनी से ज्यादा की। आगे मोदी सरकार द्वारा किसान हित में किए कार्यों की जानकारी देते हुए अनुराग सिंह ठाकुर ने बताया, ष्सिंचाई योजनाओं के लिए मोदी सरकार ने डेढ़ गुना ज्यादा यानी लगभग ध15 हजार 500 करोड़ रुपए खर्च किए। कांग्रेस के समय कृषि ऋण मात्र 7 लाख करोड़ रुपए के आसपास था जिसे बढ़ाकर हमने 20 लाख करोड़ रुपए किया है। और यह मात्र पिछले वर्ष का आंकड़ा है। इनके समय एक्सपोर्ट 2 लाख 62 हजार करोड रुपए का था, हमने 4 लाख 27 हजार करोड़ का किया। इसी प्रकार आप अगर कोई भी दूसरा क्षेत्र लेंगे तो उसमें भी कांग्रेस बिल्कुल फीकी दिखाई देगी।

भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर ने अकासा एयरलाइन पर लगाया साजिश का आरोप, ज्योतिरादित्य सिंधिया से कर दी एक्शन की अपील

एजेंसी

नई दिल्ली एक्स पर एक पोस्ट में प्रज्ञा ठाकुर ने कहा वि माननीय विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, जब मैं मुंबई स दिल्ली अकासा एयर की उड़ान संख्या फच1120 से दिल्ली आ पर ड्यूटी मैनेजर इमरान और उसके साथियों द्वारा षड्यंत्र क मुझे बड़ी हानि पहुंचाने का प्रयास किया। भाजपा की भोपाल सांस प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने शुक्रवार को विमानन मंत्रालय से एक एयरलाइ के चालक दल के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया, जिस दावा किया कि उसने उन्हें नुकसान पहुंचाने की कोशिश की थी। एक्स पर एक पोस्ट में प्रज्ञा ठाकुर ने कहा कि माननीय विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, जब मैं मुंबई से दिल्ली अकासा

एयर की उड़ान संख्या फच1120 से दिल्ली आने पर ड्यूटी मैनेज इमरान और उसके साथियों द्वारा षड्यंत्र कर मुझे बड़ी हानि पहुंचाने का प्रयास किया। अपेक्षा करती हूं आप कार्यवाही अवश्य करेंगे। सांसद के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए अकासा एयर ने माफी मांगी और कहा कि वह मामले की जांच करेगी। एयरलाइन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हमें 15 फरवरी, 2024 को हमारी उड़ान फच1120 पर माननीय संसद सदस्य सुश्री प्रज्ञा ठाकुर के हुए डी–बोर्डिंग अनुभव पर खेद है। उन्हें हुई किसी भी असुविधा के लिए हम क्षमा चाहते हैं। हालांकि हम घटना की विस्तार से जांच करेंगे। यह सीखने और हमारी सेवाओं में सुधार जारी रखने का एक अवसर है। 2019 में बैठने की व्यवस्था को लेकर स्पाइसजेट क्रू के साथ विवाद के बाद प्रज्ञा ठाकुर विवादों में घिर गईं, जिसके परिणामस्वरूप उड़ान में 45 मिनट से अधिक की देरी हुई।

तेलंगाना मे जातिगत जनगणना कराने के लिए कांग्रेस सरकार ने विधानसभा में पेश किया प्रस्ताव

एजेंसी

तेलंगाना मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि 4 फरवरी को तेलंगाना कैबिनेट द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार, पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य कमजोर वर्गों की उन्नति के लिए सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार और राजनीतिक अवसर योजनाएँ, सरकार ने राजनीतिक रोजगार के लिए एक व्यापक घरेलू जाति गणना परिवार सर्वेक्षण आयोजित करने का निर्णय लिया है।तेलंगाना में कांग्रेस सरकार ने शुक्रवार (16 फरवरी) को राज्य में जाति जनगणना कराने के लिए विधानसभा में एक प्रस्ताव पेश किया। यह वादा पार्टी ने पिछले साल विधानसभा चुनावों से पहले किया था। लक्षित कल्याण और समान संसाधन वितरण के लिए जाति डेटा इकट्ठा करने के उद्देश्य से जनगणना के संचालन के लिए विधानसभा में पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर द्वारा प्रस्ताव लाया गया था।मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि 4 फरवरी को तेलंगाना कैबिनेट द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार, पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य कमजोर वर्गों की उन्नति के लिए सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार और राजनीतिक अवसर योजनाएँ, सरकार ने राजनीतिक रोजगार के लिए एक व्यापक घरेलू जाति गणना परिवार सर्वेक्षण आयोजित करने का निर्णय लिया है। सरकार का कहना है कि उनका सदन 4 फरवरी 2024 के मंत्रिपरिषद के निर्णय के अनुसार पूरे तेलंगाना राज्य का एक व्यापक घर–घर घरेलू सर्वेक्षण (सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार, राजनीतिक और जाति सर्वेक्षण (कुल गणना) करने का संकल्प लेता है। सरकार के अनुसार इसका लक्ष्य राज्य के पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के नागरिकों और राज्य के अन्य कमजोर वर्गों के सुधार के लिए विभिन्न सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार और राजनीतिक अवसरों को लागू करना है।

बायोमैट्रिक वेरिफिकेशन के बाद मिलेगी एंट्री, सीसीटीवी से होगी निगरानी

संवाददाता लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड (यूपीपीआरपीबी) की अध्यक्ष डीजी रेणुका मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप परीक्षा के लिए विभिन्न प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों–कर्मचारियों की तैनाती की गई है। वहीं जनपद स्तर पर जिलाधिकारी जनपदीय पर्यवेक्षक के रूप में कार्य करेंगे। योगी सरकार ने प्रदेश की अब तक की सबसे बड़ी यूपी पुलिस भर्ती की परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए फूलप्रूफ प्लान बनाया है। इसके तहत योगी सरकार ने आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती की शनिवार और रविवार को दो पालियों में होने वाली परीक्षा को लेकर कड़े सुरक्षा प्रबंध किये हैं। हर परीक्षा केंद्र पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है जबकि केंद्र में अभ्यर्थियों की संख्या के अनुरूप केंद्र पर्यवेक्षक के रूप में पुलिस उपाधीक्षक से लेकर सब इंस्पेक्टर मौजूद रहेंगे। वहीं सीसीटीवी कैमरों से गहन निगरानी की जाएगी। साथ ही सभी अभ्यर्थियों के बायोमैट्रिक वेरिफिकेशन के बाद भी उन्हे परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया जाएगा। मालूम हो कि योगी सरकार पुलिस बल को और मजबूती देने के लिए 60,244 पुलिस आरक्षी पदों पर भर्ती कर रही है, जिसकी परीक्षाएं 17 और 18 फरवरी को प्रदेश के सभी 75 जनपदों के 2385 सेंटर पर आयोजित की जा रही है। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड (यूपीपीआरपीबी) की अध्यक्ष डीजी रेणुका मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप परीक्षा के लिए विभिन्न प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों–कर्मचारियों की तैनाती की गई है। वहीं जनपद स्तर पर जिलाधिकारी जनपदीय पर्यवेक्षक (मजिस्ट्रेट) के रूप में कार्य करेंगे। उनके द्वारा परीक्षा केन्द्र ड्यूटी, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट की

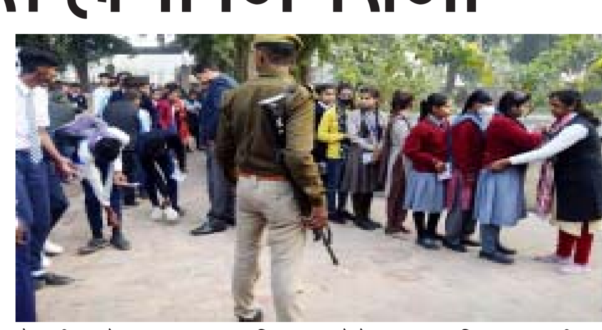

तैनाती समेत अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाएं की गयी हैं। इसके तहत जिलाधिकारी द्वारा हर सेंटर पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट के साथ सहायक केंद्र पर्यवेक्षक की तैनाती की गई है। इसके अलावा अपर जिलाधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी (प्रशासन) के रूप में नियुक्त किया गया है जबकि 3 परीक्षा केंद्रों पर एक सेक्टर मजिस्ट्रेट की भी तैनाती हुई है। इतना ही नहीं नकलविहीन परीक्षा संपन्न कराने के लिए उड़ान दस्ते भी मुस्तैद रहेंगे। वहीं केंद्र पर्यवेक्षक के रूप में पुलिस उपाधीक्षक से लेकर सब इंस्पेक्टर मौजूद रहेंगे। प्रदेश के जिन सेंटर पर एक हजार से अधिक अभ्यर्थी होंगे, वहां पुलिस उपाधीक्ष तैनात रहेंगे। वहीं एक हजा तक अभ्यर्थी वाले सेंटर प इंस्पेक्टर और पांच सौ तक अभ्यर्थी वाले सेंटर पर स इंस्पेक्टर को नियुक्त किया गय है। परीक्षा की शुचिता सुनिश्चि करने के लिए परीक्षा केन्द्र प नियुक्त कर्मियों में से 50 प्रतिश जिलाधिकारी और शेष 50 प्रतिश केन्द्र व्यवस्थापक (प्रधानाचार्य द्वारा नियुक्त किये गये हैं। इन परीक्षा सहायक प्रथम एवं द्विती जिलाधिकारी और केन्द्र व्यवस्थापक द्वारा नियुक्त कि जाएंगे जबकि 12 अभ्यर्थियों प एक अंतरीक्षक को तैनात किय जाएगा। इसके साथ सहयोगी अंतरीक्षक भी तैनात रहेंगे।

प्रधानमंत्री ने देश की वर्तमान चुनौतियों तथा भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की वर्तमान चुनौतियों तथा भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर स्मार्ट पुलिसिंग के सूत्र बताए हैं। इसमें स्ट्रिक्ट एवं सेंसिटिव, मॉडर्न एवं मोबाइल, अलर्ट एवं अकाउन्टेबल, रिलायबल एवं रेस्पॉन्सिव, टेक्नो–सेवी एवं ट्रेण्ड सम्मिलित हैं। यह सूत्र कानून प्रवर्तन के भविष्य के लिए निरन्तर और स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। जब पुलिस बल इस व्यवस्था के साथ जुड़ेंगे तो वर्तमान चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक करने में सहायता प्राप्त होगी।

मुख्यमंत्री आज यहां लखनऊ में 67वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट के समापन समारोह में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए हार्दिक प्रसन्नता का क्षण है कि 67वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट का आयोजन राजधानी लखनऊ में हो रहा है। देश की आन्तरिक सुरक्षा तथा कानून व्यवस्था का बेहतर वातावरण बनाने तथा पब्लिक परसेप्शन तय करने में पुलिस बलों की महत्वपूर्ण तथा संवेदनशील भूमिका होती है। इसके लिए उन्हें अनेक चुनौतियों तथा असामाजिक, राष्ट्रविरोधी तत्वों व आपराधिक गिरोहों का सामना करना पड़ता है। प्रत्येक परिस्थिति में कॉमन मैन के मन में शासन के प्रति विश्वास बनाए रखना उनके जीवन का संकल्प होता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि एक कॉमन मैन अपनी सामान्य समस्या, सुरक्षा एवं अपराध से जुड़ी हुई घटना को लेकर सबसे पहले इन पुलिस बलों के पास जाता है। उस समय पब्लिक के साथ अच्छे व्यवहार तथा संवाद से जनता के मन में विश्वास पैदा होता है। पुलिस बलों को दोहरी भूमिका का निर्वहन करना पड़ता है। एक तरफ जनता तथा सम्बन्धित स्टेकहोल्डर से संवाद बनाना तथा दूसरी तरफ असामाजिक और राष्ट्रविरोधी तत्वों के साथ जीरो टॉलरेंस नीति के माध्यम से निपटना। उस समय मन में एक ही भाव होता है कि 'हतो वा प्राप्यसि स्वर्गम्, जित्वा वा भोक्ष्यसे महीम्' अर्थात नागरिकों को सुरक्षा का माहौल देना है, भले ही उसके लिए बलिदान देना पड़े। यदि बलिदान हुआ तो स्वर्ग भोगूंगा, यदि जीता तो कॉमन मैन के चेहरे पर खुशी देखकर राजत्व की अनुभूति होगी। इस भाव के साथ जब पुलिस बलों के जवान कार्य करते हैं तो वह उस राज्य या बल के परसेप्शन को बदलने में बड़ी भूमिका का निर्वहन करते हैं। जब हर हाल में कानून का शासन लागू करने के संकल्प के साथ कार्य किया जाता है तो अच्छे परिणाम आते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दूसरे के दुःख में दुःखी होना तथा दूसरे की खुशी में खुश होना बड़ी बात होती है। यह उत्तर प्रदेश ने विगत 07 वर्षों में अनुभव किया है। प्रदेश का गत चुनाव कानून और व्यवस्था के मुद्दे पर जीता गया। आम नागरिक के मन में विश्वास था कि सुरक्षा सर्वोपरि है तथा प्रदेश में सुरक्षा के वातावरण में प्रत्येक व्यक्ति सुरक्षित है। जिस प्रदेश में कोई निवेश नहीं करना चाहता था, यू0पी0 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 में गत वर्ष 40 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। आगामी 19 फरवरी को इसमें से 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव की ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी प्रधानमंत्री जी के कर कमलों द्वारा होने जा रही है। इसके माध्यम से 35 लाख युवाओं को रोजगार की गारन्टी प्राप्त होगी। यह बेहतर कानून व्यवस्था का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ से 70 किलोमीटर दूर नैमिषारण्य स्थित है। आज से हजारों वर्ष पूर्व इस स्थान को 88 हजार ऋषियों ने भारत की ज्ञान परम्परा के मंथन का केंद्र बनाया

था। इस मंथन के माध्यम से जो अमृत तत्व निकला वह भारत की वैदिक ज्ञान की समृद्ध परम्परा के साथ हम सबको जोड़ता है। जिसमें इस चराचर जगत के सभी रहस्यों के बारे में अमूल्य धरोहर युक्त ज्ञान हमारे पास मौजूद है। यहां कई वर्षों तक एकत्र होकर वैदिक ज्ञान की परम्परा को लिपिबद्ध करने का काम किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह ऑल इण्डिया पुलिस ड्यूटी मीट उस परम्परा को आगे बढ़ाता है जिसको हमारे वैदिक परम्परा में कहा गया है कि 'आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः' अर्थात ज्ञान जहां कहीं से भी आएगा, हमें उसके लिए द्वार खुले रखने पड़ेंगे। ज्ञान केवल वह नहीं होता जो पुस्तकों में लिखा होता है। फील्ड ड्यूटी के दौरान आप सभी का परस्पर अनुभव वास्तविक ज्ञान है। देश भर के पुलिस बलों व संगठनों के पास अपने–अपने अनुभव हैं। हम इन अनुभवों का लाभ किस रूप में ले सकते हैं, यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। परस्पर ज्ञान का आदान–प्रदान करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब देश के किसी भी भाग में अपराध की प्रकृति तथा स्वरूप को ध्यान में रखकर देश, काल और परिस्थिति के अनुसार रणनीति तय की जाती है, तो इसके बेहतरीन परिणाम मिलते हैं। साइबर ठगी के मामले में पुलिस के सामने चौलेंज होता है क्योंकि पीड़ित कहीं और का होता है तथा ठगी कहीं और से होती है। इस चौलेंज का सामना अवेयरनेस, परस्पर समन्वय तथा अपराधियों के साथ जीरो टॉलरेंस की नीति के माध्यम से किया जा सकता है। पुलिस अखिल भारतीय स्तर पर एक साथ मिलकर परस्पर समन्वय के माध्यम से इन कार्यक्रमों को आगे बढ़ाती है। इसके अच्छे परिणाम आते हैं तथा अपराधी के मन में भय पैदा होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम बेस्ट प्रैक्टिसेज को जनता के सामने रखते हैं तथा एक दूसरे के साथ साझा करते हैं तो बहुत कुछ जानने व सीखने का अवसर प्राप्त होता है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में इस प्रकार के अनेक समिट पूर्व में आयोजित किए जा चुके हैं। जुलाई, 2019 में 62वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट का आयोजन उत्तर प्रदेश पुलिस को करने का अवसर प्राप्त हुआ था। नवम्बर, 2021 में लखनऊ में अखिल भारतीय पुलिस महानिदेशक–महानिरीक्षक सम्मेलन आयोजित हुआ था। प्रधानमंत्री तथा गृहमंत्री इस कार्यक्रम में पधारे थे। सशस्त्र सीमा बल द्वारा मार्च 2023 में 71वीं अखिल भारतीय पुलिस एथलेटिक्स क्लस्टर चौंपियनशिप का लखनऊ में आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में विभिन्न राज्योंध्केंद्र शासित प्रदेशों तथा केंद्रीय पुलिस बलों द्वारा मुख्यमंत्री के समक्ष मार्च पास्ट किया गया तथा उन्हें सलामी दी गई।

यू0पी0 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 से 40 लाख करोड़ रू0 के निवेश प्रस्ताव मिला, एक वर्ष के भीतर ही इन्हें जमीन पर उतारा जा रहा – मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने सेवानिवृत्त अधिकारियों और वरिष्ठ शिक्षाविदों के साथ संवाद किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में सेवानिवृत्त अधिकारियों और वरिष्ठ शिक्षाविदों के साथ संवाद किया। 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक की औद्योगिक परियोजनाओं की एक साथ ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी से पूर्व सेवानिवृत्त अधिकारियों और वरिष्ठ शिक्षाविदों का समूह यू0पी0 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 और जी0बी0सी0 के विविध आयामों से युवाओं का परिचय करायेगा। इसके लिए, मुख्यमंत्री जी ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के 12, भारतीय पुलिस सेवा के 04 और भारतीय वन सेवा के 07 अधिकारियों (सभी सेवानिवृत्त) तथा 19 शिक्षाविदों की 42 सदस्यीय टीम गठित की है। आगामी 17–18 फरवरी को यह टीम अलग–अलग विश्वविद्यालयोंध महाविद्यालयों में युवाओं से संवाद कर नौकरी,रोजगार,सेवायोजन से जुड़ी उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करेगी। साथ ही, युवाओं को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 और जी0बी0सी0 के सम्बन्ध में जागरूक करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत वर्ष 10–12 फरवरी तक आयोजित यू0पी0 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 की अभूतपूर्व सफलता से आप सभी सेवानिवृत्त अधिकारी तथा शिक्षाविद सुपरिचित हैं। इस समिट के माध्यम से लगभग 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव हमें प्राप्त हुए। अब एक वर्ष के भीतर ही इन्हें जमीन पर उतारा जा रहा है। यह प्रदेश के समग्र विकास और हमारे युवाओं के नौकरी एवं सेवायोजन के लिए अत्यंत लाभकारी होगा। आप सभी प्रदेश की इस सफलता के साक्षी तथा सहयात्री रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश अपार सम्भावनाओं का प्रदेश है। देश और प्रदेश के समग्र विकास में हमें इन सम्भावनाओं को जमीन पर उतारना होगा। आप सभी के पास सार्वजनिक जीवन का लम्बा अनुभव है। आपने महत्वपूर्ण पदों पर दायित्व निर्वहन किया है। आपके इन अनुभवों से हमारे युवा लाभान्वित हों, इसके लिए आप सभी का सहयोग अपेक्षित है।

किसी भी योजना की सफलता के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि वह योजना जिसके लिए बनाई गई है, उसे उसकी जानकारी हो। अच्छी योजनाएं जागरूकता के अभाव में असफल हो जाती हैं। इसलिए सरकार, इंडस्ट्री और शिक्षण संस्थाओं के बीच सतत संवाद और संपर्क महत्वपूर्ण है। इस उद्देश्य से राज्य सरकार आप सभी अनुभवी अधिकारियों और शिक्षाविदों का सहयोग ले रही है।

जी0बी0सी0 के आयोजन के पूर्व विश्वविद्यालयों व अन्य शैक्षिक संस्थानों में आप सभी का युवाओं से संवाद महत्वपूर्ण होगा। संवाद करते हुए आप उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी की गई विभिन्न नीतियों के माध्यम से प्रदेश में वृहद पूंजी निवेश आकर्षित किये जाने की योजनाओं की जानकारी दें। भारत सरकार और प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं से उनका परिचय कराएं। उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करें। ताकि अधिकाधिक युवा योजनाओं से लाभान्वित हो सकें। यह समिट किस प्रकार उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए उपयोगी होगा, इस सम्बन्ध में युवाओं का मार्गदर्शन करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को अपने सामाजिक दायित्वों का भी निर्वहन करना चाहिए। यहां अध्ययनरत युवा सरकार की नीतियों, योजनाओं, कार्यक्रमों से सुगमतापूर्वक परिचित हो सकें, इसके लिए सहज व्यवस्था होनी चाहिए। विश्वविद्यालयों को इसके लिए स्वप्रेरणा से कार्य करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यू0पी0 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी जैसे प्रयास केवल उद्यमियों के लिए नहीं हैं, अपितु इसके केंद्र में हमारा युवा वर्ग है। इसका सबसे ज्यादा लाभ युवाओं को ही होगा। उद्योग लगेंगे तो रोजगार के अवसर सृजित होंगे और इसका सीधा लाभ हमारे युवाओं को होगा। हम अपने युवाओं का कौशल उन्नयन भी कर रहे हैं और उनके लिए रोजगार के अवसर भी सृजित कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में विकास में असमानता एक बड़ी समस्या रही है। मध्य उत्तर प्रदेश और एन0सी0आर0 की तुलना में पूर्वी उत्तर प्रदेश और बुन्देलखण्ड का बहुत कम विकास हुआ था। यहां न तो इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेन्ट का काम हुआ था और न ही लोगों के जीवन स्तर में सुधार के प्रयास किए गए थे। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बुन्देलखण्ड में उद्योग नहीं लग पाए। परिणामस्वरूप यहां के युवाओं के सामने पलायन का संकट रहा। हमने इस असमान विकास की समस्या के स्थायी निराकरण के लिए ठोस प्रयास किये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यू0पी0 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण रहा कि इसमें प्रदेश के सभी जनपदों के लिए निवेश मिला है। अब औद्योगिक विकास केवल एन0सी0आर0 अथवा कुछ चुनिंदा नगरों तक ही सीमित नही है, बल्कि हर एक जनपद इससे लाभान्वित हो रहा है। ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी का लाभ प्रदेश के सभी 75 जनपदों को मिलेगा। आगामी 19 फरवरी के मुख्य समारोह से सभी जनपदों को जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में एक रिपोर्ट प्रकाशित हुई है, जो बताती है कि तमिलनाडु से 60 हजार श्रमिक प्रदेश वापस लौटे। यह सभी टेक्सटाइल सेक्टर में कार्य कर रहे थे। निश्चित रूप से इन्हें उत्तर प्रदेश में अपने सुखमय और सुरक्षित भविष्य की सम्भावना दिखी होगी, तभी इन्होंने यहां लौटने का निर्णय लिया। यहां यह भी समझना होगा कि यह श्रमिक केवल फैक्ट्री में काम ही नहीं करते हैं, बल्कि यह प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में भी अपना योगदान करते हैं। इसी तरह, कोरोनाकाल में प्रदेश लौटे प्रवासी जनों की हमने स्किल मैपिंग की और यहीं रोजगार मुहैया कराया।

उ0प्र0 में ईको पर्यटन विकास की परियोजनाओं के लिए सुनहरा अवसर–जयवीर सिंह

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह तथा वन एवं पर्यावरण मंत्री डा0 अरूण कुमार सक्सेना ने फिरोजाबाद में 10 ईको पर्यटन विकास की परियोजनाओं का किया लोकार्पण

लखनऊ। ईको पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आज फिरोजाबाद में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह एवं पर्यावरण जन्तु उद्यान तथा जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा0 अरूण कुमार सक्सेना ने संयुक्त रूप से रायबरेली, पीलीभीत तथा लखीमपुर सहित 10 परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इसमें रायबरेली स्थित समसपुर पक्षी बिहार, इंदिरा गांधी स्मारक वानस्पतिक उद्यान, पीलीभीत टाइगर रिजर्व शामिल हैं।लोकार्पण के अवसर पर पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि उ0प्र0 घरेलू पर्यटन के मामले में देश में पहले स्थान पर है। अयोध्या में श्रीराम लला के मंदिर के लोकार्पण के बाद उ0प्र0 वैश्विक पर्यटन स्थलों में अपना नाम शामिल किया है। राज्य सरकार का प्रयास है कि विदेशों से आने वाले पर्यटकों के मामलों में भी उ0प्र0 पहले स्थान पर हो। इसके लिए बेहतर कनेक्टिविटी एवं उच्च स्तरीय अवस्थापना सुविधायें उपलब्ध करायी गयी हैं। पर्यटन मंत्री ने कहा कि यमुना नदी के तट पर स्थित रपड़ी एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है। यहां पर्यटक सुविधाओं के विकास के बाद बड़ी संख्या में पर्यटकों का आगमन होगा। उन्होंने कहा कि रपड़ी से बटेश्वर, बटेश्वर से आगरा, आगरा से मथुरा और मथुरा से गोकुल तक वाटर क्रूज चलाने की संभावनाओं को तलाशा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब तक बड़ी नदियों में जहां जहां क्रूज का संचालन शुरू किया गया है। वहॉ अप्रत्याशित सफलता प्राप्त हुई है। जयवीर सिंह ने कहा कि फिरोजाबाद की शिकोहाबाद तहसील स्थित रपड़ी वन क्षेत्र का पर्यटन विकास, बहराइच जिले की तहसील मिहीपुरवा स्थित कतर्नियाघाट वन्य जीव विहार में साइनेज बोर्ड का कार्य, सोनभद्र जिले में हाथीनाला बायोडाइवर्सिटी हॉट स्पॉट का पर्यटन विकास लखीमपुर खीरी में दक्षिणी खीरी वन प्रभाग के मोहम्मदी रेंज में पर्यटन विकास, रायबरेली जिले में समसपुर पक्षी विहार तथा इंदिरा गांधी स्मारक वानस्पतिक उद्यान का पर्यटन विकास, पीलीभीत टाइगर रिजर्व का पर्यटन विकास, वाराणसी में काशी वन्य प्रभाग रामनगर के आधीन और वाटांड का पर्यटन विकास, आगरा जिले में सुर सरोवर पक्षी विहार कीठम का पर्यटन विकास और बिजनौर जनपद स्थित अमानगढ़ टाइगर रिजर्व का पर्यटन विकास संबंधी परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया है। जलवायु परिवर्तन मंत्री डा0 अरूण कुमार सक्सेना ने कहा कि पर्यटन के मामले में उ0प्र0 लगातार प्रगति कर रहा है। यह प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। वन विभाग पर्यटन स्थलों के विकास के लिए हरसंभव सहयोग के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि पर्यटकों के आगमन को देखते हुए उच्चस्तरीय पर्यटक सुविधाओं के सृजन तथा पर्यटकों के अनुभवों को बेहतर करने के उद्देश्य से ईको पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं के सृजन के साथ ही पर्यटन स्थलों का विकास व सौन्दर्यीकरण का कार्य कराया जा रहा है। वर्ष 2022–23 में 19 ईको टूरिज्म परियोजनायें स्वीकृत की गयी थी। उन्होंने कहा कि ईको पर्यटन बढ़ने से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में हुआ द्वि – दिवसीय राष्ट्रीय कांफ्रेंस का समापन

ध्लखानऊ (आरएनएस) बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में दिनॉंक 16 फरवरी को भौतिक विज्ञान विभाग, स्कूल ऑफ फिजिकल एण्ड डिसीजन साइंस की ओर से श भौतिक विज्ञान में विकास – 2024श विषय पर द्वि – दिवसीय राष्ट्रीय कांफ्रेंस का समापन हुआ। इस कांफ्रेंस में देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आये प्रतिभागियों ने भाग लिया। कांफ्रेंस में मुख्य अतिथि के रूप में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० सुनीता मिश्रा उपस्थित रहीं। इसके अतिरिक्त मंच पर आईक्यूएसी डायरेक्टर प्रो० रामचंद्र, भौतिक विज्ञान विभाग, स्कूल ऑफ फिजिकल एण्ड डिसीजन साइंस के विभाग प्रमुख एवं संकायाध्यक्ष प्रो० बाल चंद्र यादव, लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के प्रो० एस. पी. सिंह व प्रो० सी. आर. गौतम एवं कांफ्रेंस अधिकारी डॉ० अजीत कुमार मौर्य मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि एवं शिक्षकों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं बाबासाहेब के छायाचित्र को पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इसके पश्चात आयोजन समिति की ओर से मुख्य अतिथि एवं शिक्षकों को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। सर्वप्रथम प्रो० बाल चंद्र यादव ने सभी को मुख्य अतिथि के परिचय से अवगत कराया। इसके पश्चात डॉ० अजीत कुमार मौर्य द्वारा सभी के समक्ष इस द्वि – दिवसीय कांफ्रेंस की रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० सुनीता मिश्रा ने सभी को संबोधित करते हुए कहा, कि फिजिकल साइंस का उपयोग न केवल भौतिक विज्ञान में किया जाता है बल्कि विज्ञान की सभी शाखायें इससे संबंधित है। इसके अतिरिक्त उन्होंने प्रतिभागियों को शोध एवं अनुसंधान से जुड़े मूलमंत्र बताये। आईक्यूएसी डायरेक्टर प्रो० राम चंद्र ने अपने विचार रखते हुए कहा, कि विज्ञान ने हमारे समाज के विकास में एक प्रमुख भूमिका निभाई है। वास्तविक रूप में विज्ञान समाज एवं प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में रीढ़ की हड्डी की भांति कार्य करता है। यही कारण है कि विज्ञान की वजह से ही हम आज सरल तथा सुगम जीवन जी रहे हैं। प्रो० बाल चंद्र यादव ने चर्चा के दौरान कहा कि इस प्रकार की कांफ्रेंस को आयोजित करने का उद्देश्य विद्यार्थियों में शोध, अनुसंधान के क्षेत्र में जिज्ञासा पैदा करना होता है। जिससे विद्यार्थी अपने संज्ञान के स्तर पर विज्ञान के तथ्यों एवं नियमों को बेहतर तरीके से समझकर उपयोग करद सकें। समापन समारोह के दौरान ससर्वश्रेष्ठ पोस्टर एवं पेपर प्रस्तुतिकरण करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन का कार्य डॉ० अजीत कुमार मौर्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रो० देवेश कुमार, डॉ० रमेश चन्द्र, डॉ० ए. के. यादव, डॉ० देवेंद्र सिंह, डॉ० तरूणा, विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिभागी, शोधार्थी एवं विश्वविद्यालय के अन्य विद्यार्थी मौजूद रहे।

इलेक्टोरल बश्वन्ड' में जिस तरह का घालमेल किया है उससे साबित होता है कि भाजपाई राजनीति की जड़े भ्रष्टाचार के दलदल में डूबी हैं– अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा भ्रष्टाचार का पर्याय बन गयी है। भाजपा ने 'इलेक्टोरल बॉन्ड' में जिस तरह का घालमेल किया है उससे साबित होता है कि भाजपाई राजनीति की जड़े भ्रष्टाचार के गहरे पाताल में चली गई है।

अखिलेश यादव ने किसान भाईयों को सम्बोधित अपने संदेश में कहा है कि 'इलेक्टोरल बॉन्ड' को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा असंवैधानिक घोषित किये जाने से किसान आंदोलन के अंदर एक नई ऊर्जा आई है क्योंकि इन तथाकथित राजनीतिक चंदों के नाम पर जो लोग पिछले दरवाजे से भाजपा की हथेली गरम करके खेती–किसानी से जुड़े कारोबारों पर कब्जा करके अपना व्यापारिक स्वार्थ साधना चाहते थे, अब वो भाजपा को चंदा नहीं देंगे। भाजपा पैसे के लालच में गाँव, गरीब, किसान, मजदूर का जो हक मार रही थी, वो सब अब धीरे–धीरे खध्त्म होगा। अब ये बात किसानों–मजदूरों व भाजपा विरोधी लोगों द्वारा देश के हर गाँव, गली, मोहल्ले तक पहुँचनी चाहिए कि 'भ्रष्ट भाजपा' कैसे अमीरों से पैसे लेकर आम जनता के खिध्लाफ साजिश रचती है और भावनात्मक रूप से भोली–भाली आम जनता का शोषण करके अपना स्वार्थ साधती है। पैसे लेकर सवाल पूछने के झूठे आरोपों पर जब किसी सांसद की सदस्यता जा सकती है, तो पैसे लेकर किसान–मजदूर विरोधी नीतियाँ बनाने पर तो भाजपा के सभी सांसदों की सामूहिक सदस्यता चली जानी चाहिए। 'मुट्ठी भर राशन बांटकर खेत लूटने वाली भाजपा' का मुखौटा अब उतर गया है। जनता जीतेगी, भाजपा हारेगी! हम सब साथ हैं! अखिलेश यादव ने शंभू बार्डर पर प्रदर्शनकारी गुरदासपुर के किसान सरदार ज्ञान सिंह की मृत्यु पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट भाजपा से 'इलेक्टोरल बॉन्ड' के साथ–साथ किसान आन्दोलनों में हुई किसानों की मौत का भी हिसाब मांगे। किसान देश का अन्नदाता है। देश की अर्थव्यवस्था में कृषि रीढ़ है। जीवन देने वाले किसानों का अपमान जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। किसानों के आक्रोश की आंधी में भाजपा सरकार का अंत का समय अब आ गया है।

20 प्रतिशत महिला होमगार्ड्स की भी भागीदारी रहेगी – धर्मवीर प्रजापति

होमगार्ड्स के जवान आपदा मित्र के रूप में भी करेंगे कार्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कारागार एवं होमगार्ड्स राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मवीर प्रजापति ने बताया कि मुख्यमंत्री के आपदाओं से शून्य जनहानि के संकल्प को पूर्ण करने में होमगार्ड्स भी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। इसके लिए विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के माध्यम से राज्य आपदा मोचन बल द्वारा होमगार्ड्स का प्रशिक्षण प्रारम्भ कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि दैवीय आपदाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित 48 जिलों से 100–100 होमगार्ड्स चिन्हित किया गया है। जिसमें 20 प्रतिशत महिला होमगार्ड्स की भी भागीदारी रहेगी। उन्होंने बताया कि होमगार्ड्स का यह आपदा प्रशिक्षण इसी वर्ष फरवरी से आरम्भ होकर 09 बैचों में जून, 2024 तक पूर्ण कर लिया जायेगा। उन्होंने बताया कि विशेष रूप से प्रशिक्षित होमगार्ड्स को इमरजेंसी रिस्पान्डर किट उपलब्ध करायी जायेगी, जिसमें लाइफ जैकेट, सोलर टार्च, सेफ्टी ग्लब्स, पाकेट नाइफ, फर्स्टएड किट, लाइटर, पानी की बोतल, सीटी, मच्छरदानी, रेन कोट, गम बूट, सेफ्टी गागल्स, सेफ्टी हेलमेट एवं टी शर्ट आदि उपलब्ध रहेगी। कहा कि उत्तर प्रदेश होमगार्ड्स के जवान जहां एक ओर पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रहे है, वहीं दूसरी ओर सामाजिक सरोकारों के अन्तर्गत वृहद वृक्षारोपण एवं जल संरक्षण में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है। उन्होंने कहा कि इसी वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर विधान भवन के समक्ष होमगार्ड्स के जवानों ने भव्य परेड का प्रदर्शन करते हुए ब्रासबैण्ड दल ने द्वितीय, पाइप बैण्ड दल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया वहीं बेस्ट मार्चिंग में पुरुष टीम द्वारा द्वितीय स्थान प्राप्त कर सभी दर्शकों का मन मोह लिया। अब आपदा मित्र के रूप में प्रशिक्षित होमगार्डस प्रदेश में होने वाली दैवीय आपदाओं के समय अपने–अपने क्षेत्रों में पीड़ित लोगों की प्रथम उत्तरदाता के रूप में उनकी सहायता करते हुए दिखायी देंगे।

त्वरित आर्थिक विकास योजना के अन्तर्गत अमेठी, जौनपुर एवं गोरखपुर हेतु 189.42 लाख रुपये मंजूर

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष 2023–24 में त्वरित आर्थिक विकास योजना के अन्तर्गत जनपद अमेठी, जौनपुर एवं गोरखपुर में सड़क निर्माण से संबंधित 06 कार्यों हेतु कुल 189.42 लाख रुपये मंजूर किये हैं। मंजूर की गयी धनराशि संबंधित जनपदों के जिलाधिकारी के निवर्तन पर रखी गयी है। नियोजन विभाग ने इस संबंध में आवश्यक आदेश जारी कर दिये हैं।

मैथ्स ओलम्पियाड में आरव को ऑल इण्डिया द्वितीय रैंक

लखनऊ, 16 फरवरी। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज प्रथम कैम्पस के कैम्ब्रिज सेक्शन के कक्षा–7 के छात्र आरव कुमार सिंह ने इण्टरनेशनल एबेकस, वेदिक एवं मेंटल मैथ्स ओलम्पियाड में अखिल भारतीय द्वितीय रैंक अर्जित कर लखनऊ का गौरव सारे देश में बढ़ाया है। यह ओलम्पियाड शैक्षणिक संस्था माइंड पॉवर एजूकेशन के तत्वावधान में आयोजित हुआ। यह ओलम्पियाड तीन चरणों में आयोजित हुआ, जिसमें देश–विदेश के 5000 से अधिक छात्रों ने प्रतिभाग किया। ओलम्पियाड में सी.एम.एस. के इस प्रतिभाशाली छात्र ने अत्यन्त त्वरित गति से गणित के कठिन सवालों के जवाब निकालकर अपने मेधात्व का परचम लहराया एवं साबित कर दिया है कि निकट भविष्य में यह

मेधावी छात्र अपने ज्ञान व बौद्धिक प्रतिभा के दम पर देश का नाम रोशन करने को तत्पर है। ओलम्पियाड के आयोजकों ने आरव की बहुमुखी प्रतिभा की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सी.एम.एस. प्रेसीडेन्ट एवं प्रबन्धक, प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने आरव के उज्जवल भविष्य की कामना की है। प्रो. किंगडन ने सी.एम.एस. अलीगंज प्रथम कैम्पस की प्रधानाचार्या श्रीमती शिवानी सिंह एवं शिक्षकों का भी आभार व्यक्त किया। सी.एम.एस. सदैव ही विभिन्न रचनात्मक एवं सृजनात्मक प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपने छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा को निखारने एवं जीवन में आगे ही आगे बढ़ने हेतु प्रोत्साहित करता रहता है। इसी की बदौलत सी.एम.एस. के मेधावी छात्र विभिन्न राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सर्वाधिक पुरस्कार जीतकर प्रदेश व देश का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं।

धूमधाम से मनाया वरिष्ठ पत्रकार नेहा श्रीवास का जन्मदिन

झांसी। वरिष्ठ पत्रकार नेहा श्रीवास का जन्मदिन नगर में विभिन्न स्थानों पर धूमधाम से मनाया गया। संयुक्त मीडिया क्लब कार्यालय पर पत्रकारों ने केक काटकर बधाई दी। वहीं तहसील के पास स्थित मां पार्वती के संचालक व पत्रकार पंकज श्रीवास ने केक काटकर बधाई दी। वहीं गौरव गेस्ट हाउस में पत्रकारों

ने जन्मदिन पर भव्य कार्यक्रम आयोजित कर शुभकामनाएं दी। इस दौरान उनके शुभचिंतको ने जमकर नृत्य करते हुए मनोरंजन किया। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार गिरवर सिंह संयुक्त मीडिया क्लब के संरक्षक,वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद सिंह संरक्षक, वरिष्ठ पत्रकार सोनू मिश्रा संरक्षक, महेंद्र सिंह सोलंकी वरिष्ठ पत्रकार, राजीव दीक्षित मीडिया क्लब अध्यक्ष मऊरानीपुर, संजीव तिवारी मीडिया क्लब नगर अध्यक्ष मऊरानीपुर, धर्मेंद्र सिंह परिहार वरिष्ठ पत्रकार, पंकज श्रीवास वरिष्ठ पत्रकार, सर्वेश राय प्रधान एवं (पत्रकार) अंजना यादव पत्रकार, शाहीन खान पत्रकार,अश्वनी सिंह पत्रकार, पुष्पेंद्र श्रीवास पत्रकार, उमेश अहिरवार पत्रकार, अवनीश सिंह पत्रकार, रिंकू सेन संतोष श्रीवास, भूपेंद्र सिंह परिहार,पपेन्द्र तिवारी, चंदू राईन,अखिलेश राज, रमाकांत पंडित, रजनीश दुबे,दीपू सैनी सहित मऊरानीपुर नगर व क्षेत्र जिला भर के गढ़ मान्य लोगों ने एवं परिवार के सदस्यों ने आशीर्वाद उपहार देकर मित्र सहयोगियों द्वारा बहुत–बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

डिजिटल सत्याग्रह के साथ भाषाई कौशल में श्रेष्ठता हासिल करें छात्र- प्रो संजय द्विवेदी

प्रदीप वर्मा जिला संवाददाता झांसी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में आईआईएमसी के पूर्व महानिदेशक एवं वर्तमान में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के प्रो संजय द्विवेदी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि मीडिया में सफलता के लिए भाषा पर पकड़ सबसे महत्वपूर्ण है। इसके लिए लिखना, पढ़ना, सुनना इस त्रि–सूत्रीय अभ्यास को निरंतर करके महारत हासिल की जा सकती है। प्रो संजय द्विवेदी पत्रकारिता संस्थान एवं इंस्टीट्यूशन इन्नोवेशन काउंसिल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित रेडियो स्क्रिप्ट राइटिंग कार्यशाला में छात्रों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हर माध्यम की अलग भाषा होती है। यहां भाषा से तात्पर्य भाषा के प्रस्तुतीकरण से है। भारत विश्व में ऐसा देश है जहां हर व्यक्ति एक से अधिक भाषा से अवगत है। मीडिया में डिजिटल की व्यापकता ने स्थानीय भाषा में भी कंटेंट आधारित अनेक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए हैं। एक युवा पत्रकार के लिए मात्र सूचना का संप्रेषण आवश्यक नहीं है बल्कि संप्रेषण के साथ ही उसमें वैल्यू एडिशन करने की जरूरत है। वैल्यू एडिशन के लिए किसी एक क्षेत्र में विशेषज्ञ प्राप्त करनी होगी। उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि एक कथा वाचक अपने भाषायी कौशल, वर्तमान प्रसंगों और श्रोता अनुरूप व्यवहार से अपनी अलग पहचान बना लेता है। पत्रकारिता के छात्र को संचारक बनने की आवश्यकता है। आज लगभग सभी कंपनियों में कंटेंट राइटर, इवेंट मैनेजर, ट्रांसलेटर, कॉपीराइटर विजुलाइजर, ग्राफिक डिजाइनर जैसे अनेक संचार आधारित विशेषज्ञों की आवश्यकता है। छात्रों को अपने पाठ्यक्रमों के साथ ही अधिक से अधिक प्रायोगिक कार्य करने चाहिए। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में इतनी संपन्न मीडिया लैब का उपयोग अगर छात्र विवेक पूर्ण रूप से करें तो मीडिया के क्षेत्र में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की अलग पहचान बन सकती है। छात्रों के साथ संवाद करते हुए उन्होंने उनके अनेक प्रश्नों के उत्तर दिए। इसके पूर्व कला संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर मुन्ना त्रिपाठी ने पुष्प गुच्छ देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। स्वागत उद्बोधन कार्यशाला संयोजक डॉ कौशल त्रिपाठी ने एवं आभार उमेश शुक्ला ने दिया। इस अवसर पर समन्वयक डॉ जय सिंह, डॉ उमेश कुमार, डॉ राघवेंद्र दीक्षित, डॉ अभिषेक कुमार,अतीत विजय, गोविंद यादव, शिशुपाल सिंह, शशांक, शाश्वत, विजया, अकांक्षा के साथ पत्रकारिता विभाग के स्नातक एवं परास्नातक के छात्र उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय युवा संसद उत्सव–2024 के चयन हेतु युवाओ ने सहभागिता की

झाँसी! नेहरू युवा केन्द्र द्वारा जिला से राज्य एवं राज्य से राष्ट्रीय स्तर तक होने वाले ष्राष्ट्रीय युवा संसद उत्सव–2024ष कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय युवा संसद कार्यक्रम 23 एवं 24 फरवरी को नई दिल्ली स्थित संसद के सेन्ट्रल हाल में आयोजित होगा। इस जिला युवा संसद कार्यक्रम में ई–प्लेटफार्म पर नेहरू युवा केन्द्र जनपद जालौन, औरया, ललितपुर के प्रतिभागियों ने ऑनलाइन एवं झाँसी के प्रतिभागियो ने ऑफलाइन माध्यम से ष्भारत को वैश्विक नेता बनानाष, ष्आत्मनिर्भर से विकसित भारत तक ष्नवपीढी के युवाओं का सशक्तिकरणष जैसे विषयो पर प्रतिभागिता कर 4–4 मिनिट की प्रस्तुति देते हुये अपने विचार व्यक्त किये इस कार्यक्रम के मूल्यांकन के लिए निर्णायक मण्डल में शिक्षाविद्ध कादम्बिनी मिश्रा, शिक्षाविद्ध सुनिता उपाध्याय, पत्रकार बृजेन्द्र चतुर्वेदी, सामाजिक

कार्यकर्ता प्रियंका सिंह, विकासशील उद्यमी सुखलाल कुशवाहा सम्मलित रहें इस कार्यक्रम में सम्मलित होने वाले प्रत्येक जनपद से 2–2 युवा प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तरीय कार्यक्रम के लिये किया गया। जनपद झाँसी से गौरव पटेरिया, सहदेव यादव, जनपद ललितपुर से शिवम तिवारी, अमित लिटैरिया, जनपद जालौन से राजकुमार यादव, योगेश पांचाल एवं जनपद औरया से उदय प्रताप सिंह, खुशी खान विजेता रहे जिला युवा संसद उत्सव कार्यक्रम का संचालन विशाल सिंह जिला युवा अधिकारी ने एवं आभार अजय गोस्वामी लेखा एवं कार्यक्रम सहायक ने व्यक्त किया।

जल जीवन मिशन के तहत फिक्स्ड एलईडी लगा कर आम जनमानस को किया जागरुक

ब्यूरो पीलीभीत के दो प्रमुख चौराहों पर फिक्स्ड एलईडी स्क्रीन लगा करके आम जनमानस को प्रेरित करते हुए जल जीवन मिशन के तहत,पीलीभीत में पानी की उपलब्धता को बढ़ाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जनपद में नकटा दाना चौराहा और गौहानिया चौराहा पर फिक्स्ड एलईडी स्क्रीन जल निगम पीलीभीत (ग्रामीण) के देखरेख व सहयोगी संस्था एपइन्वेंटिव टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड नोएडा के द्वारा स्थापित कराया गया है। जिसमें पानी की महत्ता और संबन्धित सुझाव प्रदर्शित किये जा रहे है, लोगों को पानी की बचत और समस्याओं का समाधान करने के लिए जागरूक किया गया है। फिक्स्ड एलईडी में जल जीवन मिशन के उपदेशों को प्रकाशित किया गया, जिसके माध्यम से पानी की सुरक्षा और संरक्षण की जानकारी दी गई, जल निगम के अधिशाषी अभियंता श्री मनीष गंगवार सर और DPMO अमित भारद्वाज जी नेतृत में कार्यकम को सम्पन किया जा रहा है और Appinventiv सहयोगी संस्था से बृजेश कुमार गुप्ता द्वारा आयोजित कार्यक्रम गुणवत्ता व व्यवस्थित कार्यक्रम संपन्न किया जा रहा है, इसी के तहत पीलीभीत के गोहनिया चौराहा और नकटादाना चौराहा पर LED स्क्रीन जन समुदाय को जल संरक्षण के प्रति जागरूक और प्रेरित कर रहे है। इस प्रकार, जल जीवन मिशन के अंतर्गत पीलीभीत ने जल की उपलब्धता को बढ़ाया और सामाजिक जागृति को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है

मण्डलायुक्त एवं पुलिस महानिरीक्षक की अध्यक्षता बैठक सम्पन्न

संवाददाता राजपाल बघेल पीलीभीत मण्डलायुक्त महोदया सौम्या अग्रवाल एवं पुलिस महानिरीक्षक डॉ0 राकेश सिंह की अध्यक्षता में भारत–नेपाल सीमा के प्रभावी प्रबन्धन एवं सीमा पर अवैधानिक गतिविधियों के प्रभावी नियंत्रण हेतु परिक्षेत्र स्तरीय टास्कफोर्स की बैठक गांधी सभागार में सम्पन्न हुई। आयोजित बैठक में भारत नेपाल सीमा से सम्बन्धित महत्वपूर्ण विन्दुओं पर चर्चा की गई। बैठक में बार्डर एरिया से सम्बन्धित पिलर्स की मरम्मत, संयुक्त पेट्रोलिंग, जाली मुद्रा, मानव तस्करी, खाद तस्करी, वाहन

चोरी मामलों सहित अन्य अपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण सहित विभिन्न मामलों पर चर्चा की गई। उन्होंने बार्डर एरिया के क्षेत्र में अपराधिक गतिविधियों पर रोक लगाने हेतु दोनों राष्ट्रो की सीमा सुरक्षा बल, पुलिसध्प्रशासनिक सहित अन्य अधिकारियों के साथ संयुक्त पेट्रोलिंग करने के निर्देश दिये गये। बैठक की समीक्षा के दौरान उन्होंने मादक पदार्थों, खाद्यान्न, खाद की तस्करी के सम्बन्ध में जानकारी ली और सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये अभियान चलाकर बार्डर एरिया में तस्करी पर रोक लगाई जाये। बैठक के दौरान पुलिस महानिरीक्षक ने उपजिलाधिकारी पूरनपुरध कलीनगर व आईवी के अधिकारियों को निर्देश दिये गये नेपाल राष्ट्र के सीडीओ व पुलिस अधीक्षक से सम्पर्क कर मीटिंग करें तथा बार्डर एरिया में जो भी गतिविधियों हो रही हो उन पर चर्चा करें और गतिविधियों पर रोक लगाई जाये। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बार्डर एरिया के धार्मिक स्थलों का निरीक्षण करें तथा उन की नियमित निगरानी की जाये। उन्होंने पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिये कि बार्डर एरिया के ग्रामों कैम्प लगाये जाये, ग्रामीणों से बार्डर ऐरिया में हो गतिविधियों के सम्बन्ध में भी जानकारी ली जाये तथा आयोजित कैम्प में ग्रामीणों की समस्याओं को सुना जाये तथा उनका निवारण किया जाये। इसके साथ ही उन्होंने बार्डर एरिया के नेटवर्क के सम्बन्ध में जानकारी ली गई। इस सम्बन्ध अवगत कराया गया टावरों पर बैटरों की सुविधा उपलब्ध कराई जा चुकी है। बैठक के दौरान एसएसबी कमाडेंट को निर्देश दिये गये नोमेंस लैण्ड एरिया में खेती करने वालों पर रोक लगाने के निर्देश दिये। बैठक में बार्डर एरिया में पिलर के सम्बन्ध में जानकारी ली गई, इस दौरान एसएसबी कमाडेंट द्वारा अवगत कराया गया कि बहुत से पिलर्स जीर्णशीर्ण अवस्था में हैं जोकि मरम्मत योग्य हैं। बैठक में महोदया द्वारा एसएसबी कमाडेंट को निर्देशित किया गया कि पिलर्स की नियमित निगरानी रखी जाये तथा पिलर्सो की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाये बैठक के अन्त में जिलाधिकारी ने आश्वस्त करते हुये कहा कि आपके द्वारा दिये गये निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन कराया जायेगा। बैठक में जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक अतुल शर्मा, डीएफओ टाइगर रिजर्व नवीन खण्डेलवाल, अपर जिलाधिकारी (वि.ध्रा.) ऋतु पूनिया, अपर पुलिस अधीक्षक विक्रम दहिया, एसएसबी कमाडेंट,उप जिलाधिकारी कलीनगर आशुतोष गुप्ता उप जिलाधिकारी पूरनपुर, आबकारी अधिकारी,मत्स्य अधिकारी,आईवी के अधिकारी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

बोरिंग मशीन ने दो बाइक सवारो को मारी टक्कर,चार लोग गंभीर रूप से घायल

झांसी! गुरसराय थाना क्षेत्र मे बोरिंग मशीन ने दो बाइक सवारो को जोरदार टक्कर मार दी, इस घटना मे चार लोग बुरी तरह घायल हुए है, मौके पर पहुची पुलिस ने घायलो को नजदीकी अस्पताल मे इलाज हेतु भर्ती कराया, गुरसराय थाना क्षेत्र के भसनेह के पास दो बाइक सवारो मे बोरिंग मशीन ने टक्कर मार दी, बताया जा रहा है कि टोडी

फतेहपुर से सबीना और आसमां दोनो बहिने मुहल्ले के एक युवक के साथ सरसैड़ा गमी मे जा रही थी, जैसे ही वह ग्राम भसनेह के पास पहुंची, तभी बोरिंग मशीन की गाड़ी ने बाइक सवारो मे जोरदार टक्कर मार दी, इस घटना मे बाइक सवार युवक समेत दोनो युवतियां घायल हो गई, जबकि दूसरे बाइक सवार में भी बोरिंग मशीन की गाड़ी ने टक्कर मारी, जिसमे कुल चार लोग घायल हुए हैं, जिसमे सबीना, आसमां रिंकू और सलमान घायल हुए हैं, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलो को गुरसराय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे भर्ती कराया, जहां चिकित्सको ने घायलों का उपचार किया, जबकि इस घटना मे गंभीर रूप से घायल हुए रिंकू और सलमान की हालत नाजुक है, जिन्हे झासी अस्पताल रेफर कर दिया।

एफएलएन प्रशिक्षण के दूसरे दिन दी गयी भाषा सम्बंधी महत्वपूर्ण जानकारी

लईक सैफी टाण्डा जिला रामपुर। बीआरसी नेकपुर पर चल रहे एफएलएन प्रशिक्षण के

दूसरे दिन सन्दर्भदाताध्एआरपी द्वारा शिक्षकों को भाषा ज्ञान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी उपलब्ध कराई गई।बच्चों का ध्यान पढ़ाई की ओर आकर्षित करने के लिए विभिन्न टीएलएम एवं गतिविधियों के माध्यम से शिक्षण कार्य करने पर जोर दिया गया।गौरतलब है कि ब्लॉक भगतपुर–टाण्डा की बीआरसी नेकपुर पर चार दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण का शुभारंभ गुरुवार को खण्ड शिक्षा अधिकारी सद्दीक अहमद के दिशा निर्देशन में शुरू हुआ।एआरपी द्वारा प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को भाषा एवं गणित विषय की बारीकियों एवं उससे सम्बंधित गतिविधियों के साथ ही संदर्शिका के इस्तेमाल, शिक्षण चक्र और पुनरावृत्ति आदि के बारे में बताया जा रहा है।शुक्रवार को प्रशिक्षण के दूसरे दिन में एआरपी वसीम राजा, सुभाषचंद्र,मोहम्मद अनीस, सुरेन्द्रपाल सिंह और सतवीर सिंह द्वारा शिक्षकों को भाषा ज्ञान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी।उन्होंने बताया कि शिक्षण कार्य के दौरान बच्चों की स्थानीय भाषा को नजर अंदाज न करें।स्थानीय भाषा का बच्चों के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है।बालक को कक्षा में बोलने के अधिक अवसर प्रदान करें।इससे उनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा।बच्चों के घर की बोली को भी महत्व दें।बच्चों को विभिन्न प्रकार की गतिविधियों जैसे– बातचीत, चर्चा आदि में शामिल करके मौखिक अभिव्यक्ति को निखारने का प्रयास करें।इससे पूर्व शिक्षिका नाजिया तबस्सुम द्वारा पहले दिन के प्रशिक्षण का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया।प्रशिक्षण को व्यवस्थित करने में अब्दुल वाजिद, हर्ष यादव, केपी सिंह, गौरव कुमार और मोहम्मद उमैर ने सहयोग प्रदान किया।इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षक डॉक्टर पुष्पेंद्र सिंह,अशरफ अली पाशा, निधु देओल,शीबा निसार, नाजिया तबस्सुम, नरेश, अमित कुमार,धर्मवीर सिंह,कालीचरन,इन्तिजाम अली, सिपाहीलाल,इंसाफ अली,शशिबाला, शोभा खन्ना, गायित्री, कविता, भारती, हेमलता, अनीता,गीता रानी,कौशल कुमारी, अतुल कुमार,फरहाना मलिक और रिंकल चौधरी आदि मौजूद रहे।

प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा ने किया तीन दिवसीय राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

सर्वोदय टाइम्स संवाददाता उन्नाव । तीन दिवसीय राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता लखनऊ के साई स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया में आयोजित की गई है । जिसमें प्रदेश के प्रत्येक जनपद से बच्चों ने प्रतिभा किया कार्यक्रम का उद्घाटन प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा द्वारा किया गया था प्रतियोगिता के दूसरे दिन जनपद उन्नाव के बच्चों द्वारा योगा गोल्ड, जिमनास्टिक गोल्ड,400 मीव बॉयज गोल्ड, 200 मीव बॉयज सिल्वर,4 100 मी ब्राउंज हासिल कर उन्नाव का नाम रोशन किया। कार्यक्रम में जनपद उन्नाव से पहुंचे सरोसी के स्काउट गाइड बैड की सराहना एडी बेसिक द्वारा की गई । कार्यक्रम में सभी को बधाइयां देने हेतु बी एस ए संगीता सिंह, जिला गाइड कैप्टन सोनू सिंह व जिला व्यायाम शिक्षिका निशा तोमर उपस्थित रही ।

हिलौली ब्लॉक प्रमुख ने जन चौपाल में अधिकारियों से ली योजनाओं की जानकारी

सर्वोदय टाइम्स संवाददाता मौरावां उन्नाव । विकास खंड के अंतर्गत ग्राम करदहा व सरायमुबारक में जन चौपाल का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे हिलौली ब्लाक प्रमुख दिलीप कुमार दीक्षित ने अधिकारियों से जन चौपाल में विभिन्न प्रकार की सरकारी योजनाओं की जानकारी ली।

ब्लाक हिलौली की ग्राम पंचायत सराय मुबारक चौपाल व करदहा में जन चौपाल का आयोजन किया गया जहाँ ग्राम प्रधान प्रतिनिधि धर्मेंद्र सोनी व अतुल प्रकाश ने हिलौली ब्लाक प्रमुख दिलीप कुमार दीक्षित को बुके व प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। ब्लाक प्रमुख ने ग्राम पंचायत में हुए विकास कार्यों की समीक्षा भी की गई। उन्होंने कहा कि सरकार सभी के प्रति सजग हैं। मोदी योगी सरकार निरंतर नए आयाम स्थापित कर रही हैं। सभी के लिए तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इस दौरान एडीओ पंचायत प्रभारी धीरेंद्र कुमार यादव,रोहित अवस्थी,रजोले शुक्ला सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

हिलौली ब्लॉक प्रमुख ने हरी झंडी दिखाकर प्रचार - प्रसार वाहनों को किया रवाना

सर्वोदय टाइम्स संवाददाता मौरावां उन्नाव । ब्लाक हिलौली परिसर में शुक्रवार को जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांवों में प्रचार–प्रसार के लिए दो डिजिटल वाहनों को मुख्यालय परिसर से ब्लाक प्रमुख दिलीप कुमार दीक्षित ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।मिशन के कार्यक्रम के जिला क्वार्डिनेटर जय प्रकाश अग्निहोत्री ने बताया कि सरकार प्रचार वाहनों को गांव गांव भेजकर लोगों को जागरूक किया जायेगा।कि फ्लोरीन युक्त शुद्ध जल का प्रयोग करना चाहिए।पानी को सदैव साफ बर्तन में ढककर रखने से वह शुद्ध रूप से ताजा बना रहता है।इससे लोगों के शरीर में बीमारी नहीं उत्पन्न होती हैं।वहीं ब्लाक प्रमुख ने करदहा व सरायं मुबारक दो ग्राम पंचायतों में पहुंचकर आयोजित जन चौपाल में जनता द्वारा नाली खड़ंजा पेंशन पीएम आवास शौचालय आदि की समस्याएं सुनते हुए शीघ्र निस्तारण करवाने के निर्देश दिए।इस दौरान एडीओ पंचायत रवि कुमार शर्मा अजय शुक्ला रोहित अवस्थी गौतम त्रिपाठी धर्मेन्द्र सोनी विवेक सिंह रमेश पाल विपिन कुमार आदि कर्मचारी सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहें।

पाइप लाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण सैकड़ों घरों में पानी की आपूर्ति बाधित, पानी के लिए तरस रहे ग्रामीण

सर्वोदय टाइम्स संवाददाता परियर उन्नाव । विकास खंड सिकंदरपुर सरोसी के परियर गांव में हर घर जल योजना के तहत कुछ माह पहले भूमि गत पाइप लाइन डाली गई थी।जिससे पुरानी पाइप लाइन मंडी व कालेज रोड पर क्षतिग्रस्त हो गई है।जिससे सप्लाई का पानी अभी बह रहा है।जिससे पेय जल की आपूर्ति अधिकांश घरों में नही हो पा रही है। पिछले दो सप्ताह से लोग पीने के पानी को तरस रहे है।मालूम हो कि पेय जल की पाइप लाइन लीकेज होने से। ग्रामीणों को पीने के पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही है।जल निगम के एक्जियन अजीत कुमार ने बताया जल्द लीकेज सही करा कर पेय जल आपूर्ति चालू करने का प्रयास किया जाएगा।

परियर गांव के अधिकांश भू भाग का जल खारा होने से पेय जल टंकी ही एक मात्र पीने के पानी का सहारा हैं। यहां का पानी इतना खारा है कि जानवर भी नही पीते कपड़े भी साबुन से नही साफ होते। जिससे मजबूरन ग्रामीण गांव से एक किलोमीटर दूर व दूसरे गांव से खाना बनाने व पीने के पानी का इंतजाम साइकिल,मोटर साइकिल,ठेलिया आदि साधन से करते है।गांव के अरुण गुप्ता , राजू , वीरेंद्र , रविशंकर , शिवप्रकाश , शशी , परवेश , कुवारे , नाजमा , शिबू, मोहसीन , डा उमर सिद्दीकी , सुनील पाल , पंकज पाल आदि ने बताया विगत दो सप्ताह से पीने के पानी की सप्लाई नही मिल पा रही है।

सम्पादकीय

जिस रायबरेली ने गांधी परिवार को आंखों पर बिठा कर रखा उसे कांग्रेस ने बेगाना कर दिया

राजनीति संभावनाओं का खेल है। कल क्या होगा इसको लेकर बड़े से बड़े राजनीतिक पंडित भी किसी तरह की भविष्यवाणी नहीं कर सकते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि नेताओं का चाल चरित्र और चेहरा अक्सर बदलता रहता है। नेता सहूलियत के हिसाब से अपने वोटरों और जनता से संबंध बनाते–बिगाड़ते हैं। इसकी सबसे ताजा मिसाल हैं सोनिया गांधी। बड़ी बेरुखी के साथ रायबरेली से सोनिया गांधी ने अपना मुंह मोड़ लिया है। जो कृत्य 2019 में उनके बेटे राहुल गाँधी ने अमेठी की जनता की साथ किया था, वही अब 2024 में सोनिया गांधी रायबरेली की जनता के साथ कर रही हैं। 2019 में अमेठी से चुनाव हारने के बाद राहुल गांधी ने यहां (अमेठी) की जनता से नाता तोड़ लिया, जबकि अक्सर वह अमेठी के लिए ही जीने और मरने की कसमें खाया करते थे। 2019 में मिली हार के बाद राहुल ने अमेठी आना तो दूर, इसका नाम ही लेना छोड़ दिया है। यही काम अब सोनिया गांधी ने किया है। सोनिया गांधी स्वास्थ्य कारणों से रायबरेली से चुनाव नहीं लड़ रही हैं, इस बात का किसी को गिला नहीं है। गिला इस बात का है कि एक बार सोनिया गांधी यहां आकर अपने फैसले से रायबरेली की वोटरों को अवगत तो करा देतीं। आखिर कई लोकसभा चुनावों में यहां की जनता ने सोनिया गांधी के लिए बड़े–बड़े नेताओं को हार का स्वाद चखाने से परहेज नहीं किया था था। आज उन्हीं सोनिया गांधी ने रायबरेली की जनता को एकदम से बेगाना कर दिया। इसीलिए यह संभावना जताई जा रही है कि प्रियंका गांधी भी रायबरेली से चुनाव नहीं लड़ेंगी। यदि प्रियंका गांधी के यहाँ से चुनाव लड़ने की संभावना होती तो सोनिया गांधी रायबरेली की जनता के साथ कतई ऐसा व्यवहार नहीं करतीं। हालांकि अपनी गलती का अहसास होते ही सोनिया गांधी ने एक मार्मिक पत्र रायबरेली की जनता के नाम लिखा जरूर है, लेकिन इसमें स्पष्टता नहीं दिखाई देती है। विपक्ष आरोप लगा रहा है कि सोनिया गांधी खराब स्वास्थ्य के कारण राजनीति से संन्यास ले लेतीं तो उनकी बात समझ में आती, लेकिन हकीकत यह है कि अबकी बार रायबरेली से चुनाव जीतने को लेकर सोनिया गांधी डरी हुई हैं। उन्हें लगता है कि वह रायबरेली से चुनाव हार जाएंगी, वरना वह पिछली कई बार की तरह इस बार भी यहां नामांकन करके चली जातीं और रायबरेली की जनता उन्हें जिता देती। यदि सोनिया गांधी समेत कोई यह समझता है कि राज्यसभा बीमार लोगों के लिए बनी है तो यह गलत उनकी गलत सोच है। बहरहाल, रायबरेली की जनता को जिस तरह से सोनिया ने ठेंगा दिखाया है, उसके बाद यदि प्रियंका यहां से चुनाव लड़ती भी हैं तो उनके लिए चुनाव जीतना मुश्किल नहीं तो, आसान भी नहीं होगा। बात इतनी ही नहीं है, प्रियंका वाड्रा के लिए मुश्किल इसलिए भी खड़ी हो सकती है क्योंकि लंबे समय से वह रायबरेली से किनारा किए हुए हैं, जबकि वह 2019 तक अपनी मां के संसदीय क्षेत्र रायबरेली आया–जाया करती थीं। गौरतलब है कि सोनिया गांधी ने 14 फरवरी 2024 को जब राज्यसभा के चुनाव के लिए राजस्थान के जयपुर पहुंच कर पर्चा दाखिल किया था। इसी से साफ हो गया है कि वे इस बार के लोकसभा चुनाव में नहीं उतरेंगी। रायबरेली कांग्रेस की परंपरागत सीट रही है। सोनिया गांधी 2019 में यहाँ से पांचवीं बार लोकसभा चुनाव जीती थीं। 2019 के चुनाव के दौरान सोनिया गांधी ने घोषणा की थी कि अगला लोकसभा चुनाव वे नहीं लड़ेंगी। कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद वर्ष 1999 में पहली बार वे रायबरेली से चुनावी मैदान में उतरी और जीती थीं। सोनिया गांधी के रायबरेली सीट से हटने के बाद प्रियंका गांधी को लेकर दावा किया जा रहा था कि प्रियंका लोकसभा चुनाव में रायबरेली से उतरेंगी। हालांकि, अब इसको लेकर चर्चा पर विराम–सा लग गया है। कांग्रेस की तरफ से भी चोरी छिपे दावा किया जाने लगा है कि प्रियंका गांधी वाड्रा रायबरेली से 2024 के चुनाव में नहीं उतरेंगी। गांधी परिवार और कांग्रेस को लगता है कि कहीं प्रियंका वाड्रा का भी हाल राहुल जैसा ना हो जाए। जैसे अमेठी की जनता ने राहुल को ठुकरा दिया था, वैसे ही रायबरेली की जनता प्रियंका को ठुकरा दे। दरअसल, 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी परंपरागत अमेठी सीट से उतरे थे। यहां से राहुल 2004 से चुनाव जीतते आ रहे थे। लेकिन, 2019 में उन्हें बीजेपी की स्मृति ईरानी के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से राहुल गांधी गिने–चुने मौकों पर ही अमेठी पहुंचे हैं। कांग्रेस इस बार विपक्षी गठबंधन के सहारे यूपी के चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में है जबकि जमीनी स्तर पर पार्टी का संगठन काफी कमजोर है। प्रियंका को यूपी चुनाव 2022 के दौरान प्रदेश का प्रभारी बनाया गया था। श्लड़की हूं, लड़ सकती हूंश नारे के साथ चुनावी मैदान में उतरी प्रियंका ने यूपी की राजनीति में अपनी छाप छोड़ने की कोशिश की थी, लेकिन इसमें वह सफल नहीं हो पाई थीं। प्रियंका को इस चुनाव में कोई खास सफलता हाथ नहीं लगी थी। पार्टी को 2017 के विधानसभा चुनाव में दो सीटों पर जीत मिली थी। पार्टी के महासचिव पद को संभाल रहीं प्रियंका यूपी में पार्टी के वोट प्रतिशत को भी बढ़ाने में कामयाब नहीं हो पाईं। भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के बीच हुए दो–तरफा मुकाबले में पार्टी को कोई खास सफलता नहीं मिल पाई थी। रायबरेली में पिछले कुछ वर्षों में कांग्रेस लगातार कमजोर हुई है। यूपी चुनाव 2022 के दौरान रायबरेली में समाजवादी पार्टी की ताकत बढ़ती दिखी थी। वहीं, कांग्रेस से भाजपा में आई अदिति सिंह ने रायबरेली सदर सीट से जीत दर्ज की थी। कांग्रेसी किले में पहली बार भाजपा की जीत मिली। 2014 और 2019 के मोदी–योगी लहर में भी रायबरेली का किला फतह करने में भाजपा कामयाब नहीं हो पाई थी, लेकिन अब कांग्रेस की जमीन पर स्थिति ठीक नहीं है। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की ओर से हुई समीक्षा में सोनिया गांधी के सीट छोड़ने के बाद पार्टी की इस सीट पर जीत को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इसीलिए प्रियंका को यहां से नहीं लड़ाया जा रहा है। प्रियंका के करीबी भी दावा कर रहे हैं कि प्रियंका गांधी स्वयं भी रायबरेली से चुनावी मैदान में नहीं उतरना चाहती हैं। कुल मिलाकर उत्तर प्रदेश में गांधी परिवार के लिए कोई सेफ सीट नहीं बची है। इसी के चलते करीब 70 सालों के बाद यूपी कांग्रेस विहीन हो जाएगी। जबकि कभी कांग्रेस यूपी का मजबूत गढ़ हुआ करता था। यूपी के बल पर वह केंद्र तक में अपनी सरकार बनती थी। यूपी ने कांग्रेस को कई प्रधानमंत्री दिए थे, लेकिन अब यह सब बातें अतीत के पन्नों में सिमट गई हैं।

क्यों किसानों की मांगे नहीं मानते?

ऐसा लग रहा है कि केंद्र सरकार ने एक साल तक चले किसान आंदोलन का सबक भुला दिया है। तभी वह एक बार फिर किसान आंदोलन को रोकने और किसानों को दबाने के लिए उन्हीं उपायों का सहारा ले रही है, जिनका इस्तेमाल 2020–21 के किसान आंदोलन के समय किया गया था। तब किसानों को दिल्ली कूच करने से रोकने के लिए रास्ते बंद किए गए। फोन और इंटरनेट पर पाबंदी लगाई गई। किसानों को बदनाम करने के लिए एक पूरा इकोसिस्टम विकसित किया गया, जिसने किसानों और उनसे सहानुभूति रखने वालों को देशद्रोही ठहराया। किसानों को विदेश से फंडिंग मिलने और भारत विरोधी टूलकिट से मदद मिलने की बातें प्रचारित करके उनको बदनाम करने का प्रयास किया गया। इन सबका कुल जमा नतीजा यह था कि किसान एक साल तक सड़क पर लड़ते रहे, जिसमें सात सौ किसानों की जान गई और अंत में केंद्र सरकार को तीनों कृषि कानून वापस लेने पड़े।

जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए तीनों कृषि कानून वापस लेने का ऐलान किया तब ऐसा लगा था कि सरकार को सबक मिल गया है। सरकार ने समझ लिया है कि किसानों से टकराने या उन्हें आजमाने का कोई मतलब नहीं है। लेकिन एक बार फिर किसान आंदोलन पर उतरे हैं तो वही सारी तिकड़में आजमाई जा रही हैं। किसानों से दिखावे की बातचीत हुई है, जैसी बातचीत तब होती थी। किसान नेताओं के ट्विटर हैंडल बंद कराए गए हैं। पंजाब से लगती हरियाणा की सीमा पर ऐसी बाड़ेबंदी की गई है, जैसी भारत पाकिस्तान की सीमा पर नहीं है। सड़कों पर कंक्रीट की दीवारें खड़ी कर दी गई हैं। लोहे की बड़ी बड़ी कीलें सड़कों पर लगाई गई हैं। कंटेनर लगा कर सड़कों को बंद किया गया है। किसानों के ऊपर ड्रोन से आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं और अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है। दिल्ली की सीमा भी चारों तरफ से बंद कर दी गई है।

सोचें, किसान ऐसा क्या कर रहे हैं कि उनके लिए इस तरह से उपाय करने की जरुरत है? किसान उन्हीं मांगों को तो दोहरा रहे हैं, जिनको सरकार ने नवंबर 2021 में मान लिया था। उस समय सरकार ने किसानों से कई वादे किए थे लेकिन एक बार आंदोलन खत्म होने के बाद जब किसानों की मांगें पूरी करने की बारी आई तो टालमटोल का दौर शुरू हो गया। न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी को कानूनी दर्जा देने की किसानों की मांग पर एक कमेटी बना दी गई। कमेटी की रिपोर्ट का क्या हुआ किसी को पता नहीं है लेकिन इतना पता है कि किसान सरकार की पहल से संतुष्ट नहीं हैं और न सहमत हैं। तभी एक बार फिर उनको उसी मांग के लिए सड़क पर उतरना पड़ा है, जिसे मानने का वादा सरकार ने दो साल पहले किया था।

किसान चाहते हैं कि न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा दिया जाए। इसके जवाब में सरकार और इसके इकोसिस्टम की ओर से समझाया जाता है कि अब तो निजी कारोबारी एमएसपी से ज्यादा कीमत पर अनाज खरीद रहे हैं। इसके आंकड़े भी पेश किए जाते हैं, जिसमें बताया जाता है कि कहां निजी कारोबारियों ने एमएसपी से कितनी ज्यादा कीमत पर अनाज की खरीद की, उस कारोबारी ने किसानों को कितनी सुविधाएं दीं और उसके भुगतान का सिस्टम कितना अच्छा है। सवाल है कि जब खुले बाजार में एमएसपी से ज्यादा कीमत पर अनाज की खरीद फरोख्त हो रही है किसान सरकार से ज्यादा निजी कारोबारियों को अनाज बेच रहे हैं तो सरकार को एमएसपी को कानूनी दर्जा देने में क्या दिक्कत है? सरकार कानूनी दर्जा दे दे कि एमएसपी से कम कीमत पर अनाज की खरीद फरोख्त गैरकानूनी होगी।

सरकार ऐसा नहीं कर रही है इसका मतलब है कि पूरे मामले में कोई पेंच है। असल में यह बाजार की तिकड़म होती है कि शुरू में आकर्षित करने के लिए बेहतर डील दो और उसके बाद मनमानी करो। किसानों को आशंका है कि निजी कारोबारियों के खरीद का सिस्टम इसी तरह से चलता रहा तो थोड़े समय में सरकारी खरीद का सिस्टम बिगड़ जाएगा और बंद कर दिया जाएगा। तब किसान कारोबारियों के हवाले हो जाएगा और फिर कारोबारी मनमानी करेंगे। अगर सरकार एमएसपी को कानूनी दर्जा दे देगी तो भले सरकारी खरीद का सिस्टम बंद हो जाए लेकिन बाजार में किसानों का अनाज अच्छी कीमत पर बिकेगा। तभी सरकार को किसानों की इस मांग पर ध्यान देना चाहिए। एमएसपी से ही जुड़ी उनकी यह भी मांग है कि एमएसपी को कानूनी दर्जा देने के साथ साथ सभी उपज की एमएसपी तय हो और एमएसपी निर्धारित करने के लिए एमएस स्वामीनाथन फॉर्मूले का इस्तेमाल किया जाए। केंद्र सरकार ने हाल ही में एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न से सम्मानित किया है। निश्चित रूप से वे इस सम्मान के हकदार थे और बहुत पहले उनको यह सम्मान मिलना चाहिए था। देर से ही सही लेकिन उन्हें भारत रत्न मिल गया तो अब सरकार को उनकी ओर से तय किए गए फॉर्मूले पर एमएसपी तय करना चाहिए। सरकारें बार बार स्वामीनाथन फॉर्मूले की चर्चा भी करती हैं। लेकिन उसके हिसाब से किसानों को अनाज की कीमत नहीं देना चाहती हैं। सरकार को अब इस पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए कि खाद, बीज के दाम और सिंचाई में होने वाले खर्च के साथ साथ फसल को मंडी तक पहुंचाने के खर्च और किसान परिवार के सदस्यों की मजदूरी और जमीन के किराए को शामिल करके लागत तय हो और उसके ऊपर एक निश्चित मुनाफा तय किया जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों कहा कि वे मानते हैं कि देश में चार जातियां हैं। उन्होंने महिला, गरीब और युवा के साथ चौथी जाति के तौर पर किसान को शामिल किया। सवाल है कि क्या वे इस जाति के लिए कुछ सोच रहे हैं? उन्होंने 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने की घोषणा की थी। आज 2024 में सरकार और सरकारी दल भी यह दावा नहीं कर रहे हैं कि किसानों की आय दोगुनी हो गई। उलटे कृषि लागत बढ़ती गई है, जिससे किसान की कमाई खत्म हो गई है। अगर सचमुच प्रधानमंत्री किसानों को एक जाति मान रहे हैं और उनके कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं तो स्वामीनाथन फॉर्मूले के आधार पर सभी फसलों की एमएसपी तय की जाए और एमएसपी को कानूनी रूप दिया जाए ताकि किसी स्थिति में किसान के साथ धोखाधड़ी न हो पाए।

इसके अलावा किसान पेंशन की मांग भी कर रहे हैं और यह मांग भी जायज है। पिछले दिनों उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने किसानों के लिए तीन हजार रुपए पेंशन की योजना घोषित की। सरकार ने तय किया कि 60 साल से ऊपर की आयु के सीमांत व लघु किसानों को तीन हजार रुपए मासिक पेंशन मिलेगी। इसमें महिला और पुरुष दोनों किसान शामिल होंगे। केंद्र सरकार को इस मॉडल के बारे में सोचना चाहिए और राज्यवार किसानों की आमदनी के हिसाब से पेंशन की राशि तय करनी चाहिए। इस बार किसान आंदोलन इस मायने में अलग है कि इस बार इसमें मजदूरों को भी शामिल किया गया है और उनके लिए न्यूनतम मजदूरी की सीमा बढ़ाने के साथ साथ मनरेगा के तहत दो सौ दिन की रोजगार गारंटी की भी मांग की गई है। यह ध्यान रखने की बात है कि किसानों की बड़ी आबादी अब कृषि मजदूर में तब्दील हो गई है इसलिए किसानों के साथ उनके हितों का जुडना एक स्वाभाविक घटनाक्रम है। सो, इस बार आंदोलन का दायरा बड़ा हो गया है। इसलिए सरकार को भी सोच बड़ी करके इस आंदोलन के बारे में विचार करना चाहिए।

लोकतंत्र की मजबूती की दिशा में एक ऐतिहासिक फैसला, बढ़ेगा कार्यकर्ताओं का मान

चुनावी बॉन्ड योजना को निरस्त करने का सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला लोकतंत्र को मजबूत बनाने में मील का पत्थर बन सके, इसके लिए पार्टियों और नेताओं द्वारा पारदर्शी फंडिंग पर अमल जरूरी है। फंडिंग पर जोर कम होने से धन के बजाय कार्यकर्ताओं का मान बढ़ेगा। सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द करने का ऐतिहासिक फैसला दिया है। पिछले छह वर्षों में इस योजना से 16 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा धन सभी पार्टियों को मिला है। नोटबंदी के बाद तत्कालीन वित्तमंत्री अरुण जेटली ने 2017 के वित्त विधेयक के माध्यम से इस योजना को पेश किया था। उसके लिए रिजर्व बैंक, आयकर, कंपनी, जनप्रतिनिधित्व और विदेशी चंदों से जुड़े कई कानूनों में बदलाव भी किए गए थे। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के फैसले के बाद इस योजना के साथ सारे कानूनी बदलाव भी निरस्त हो गए हैं। चुनावी बॉन्ड लागू होने से पहले पार्टियों को लगभग 81 फीसदी रकम अज्ञात स्रोतों से मिलती थी। जेटली ने दलील दी थी कि चुनावी बॉन्डों से पार्टियों की फंडिंग और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता आने के साथ काले धन पर अंकुश लगेगा। पुरानी कानूनी व्यवस्था के अनुसार, कंपनियां सालाना मुनाफे की अधिकतम सीमा के अनुसार ही दान दे सकती थीं। लेकिन कानून में बदलाव के बाद घाटे वाली कंपनियां भी बॉन्ड के माध्यम से पार्टियों को चंदा देने की हकदार हो गईं। मतदाताओं और पार्टियों को चुनावी बॉन्ड देने वाले की जानकारी नहीं मिल सकती थी। लेकिन सरकार को स्टेट बैंक के माध्यम से ये सारी जानकारियां हासिल थीं। कहा जा रहा था कि निजी कंपनियां और कॉरपोरेट्स चुनावी बॉन्ड में पैसा लगाकर सरकारों से अपने हित में अनुचित काम कराते हैं। ऐसे अनेक कानूनी और सांविधानिक बिंदुओं पर इस योजना को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। लेकिन लोकतंत्र से जुड़े इस बड़े मामले की सुनवाई और फैसला आने में सात साल लग गए। सॉलिसिटर जनरल और अटार्नी जनरल ने इस योजना का अनेक तरीके से बचाव करने की कोशिश की। सरकारी दलीलों के अनुसार, वोटरों को ऐसे चंदे के बारे में जानने का कानूनी अधिकार नहीं है। लेकिन चुनाव आयोग ने ऐसे बॉन्ड और विदेशों से मिल रहे चंदे पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी। रिजर्व बैंक ने भी इन बॉन्डों के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग होने की आशंका जाहिर की थी। केंद्र और राज्य सरकारों को चुनावी बॉन्ड में विशेष बढ़त मिलती है, इसलिए इस योजना को जजों ने समानता के विरुद्ध माना है। भारत में लॉबिंग गैर–कानूनी है, लेकिन चुनावी बॉन्डों के माध्यम से निजी कंपनियां सरकारों से अनुचित लाभ ले रही हैं। इस बात को सरकार ने भी अप्रत्यक्ष तौर पर स्वीकार किया। सरकारी वकील के अनुसार, चुनावी चंदे का खुलासा होने से चंदा देने वाली कंपनियों को प्रताड़ना का शिकार होना पड़ सकता है। जो लोग चुनावी बॉन्ड से सिर्फ भाजपा को फायदा होने की बात कर रहे हैं, उन्हें यह समझने की जरूरत है कि सिर्फ एक राज्य में सरकार चलाने वाली टीएमसी को लगभग दस फीसदी फंडिंग मिली है। इसलिए अगले महीने चुनावी बॉन्ड का हिसाब–किताब सार्वजनिक होने पर लोकसभा चुनावों के पहले बड़े पैमाने पर राजनीतिक उथल–पुथल हो सकती है। इस योजना के रद्द होने के बाद पुराने तरीकों से पार्टियों को फंडिंग जुटानी होगी। कानून के अनुसार, 20 हजार रुपये से कम की रकम गुमनाम तरीके से ली जा सकती है। पार्टियों को चेक के माध्यम से कंपनियों से चंदा मिल सके, इसके लिए आयकर विभाग ने वर्ष 2013 में ट्रस्ट की व्यवस्था बनाई थी। अनुमानों के अनुसार, पिछले लोकसभा चुनाव में लगभग 60 हजार करोड़ रुपये खर्च हुए थे। नियमों का उल्लंघन करके प्रत्याशी बड़े पैमाने पर काले धन का चुनावों में इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा, सभी पार्टियों को कानूनी और गैर–कानूनी तरीके से चंदा मिलता है। पार्टियों के संगठित पैसे से कॉरपोरेट ऑफिस, चार्टर्ड फ्लाइट, रोड शो, रैलियां और नेताओं की खरीद–फरोख्त भी होती है। 30 साल पहले बोहरा कमेटी की रिपोर्ट में नेता, अपराधी और कॉरपोरेट्स की मिलीभगत को लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा संकट माना गया था। वर्ष 1998 में इंद्रजीत गुप्ता कमेटी की रिपोर्ट में सरकार की तरफ से चुनावी खर्च देने की बात कही गई थी। विधि आयोग और प्रशासनिक सुधार आयोग ने चुनावी कानून दुरुस्त करने के लिए कई रिपोर्टें दी हैं। ऐसी सभी कमेटियों में हुए विमर्श को धता बताकर नेता चुनावों में काले धन का इस्तेमाल बढ़ाते जा रहे हैं। चुनावों में टिकट पाने के लिए हाय–तौबा मचाने और सरकार बनाने में रिसोर्ट पॉलिटिक्स से साफ है कि राजनीति सबसे बड़ा व्यापार है, जहां सफल होने के लिए आपराधिक तरीके से काले धन का निवेश होता है। सीबीआई और ईडी के छापों से साफ है कि नेताओं के संरक्षण में खनन, शिक्षा, रियल एस्टेट और नौकरी में माफिया सक्रिय और प्रभावी हैं। दिवालिया कानून की आड़ में अनेक कंपनियां सरकारी बैंकों का पैसा हजम कर रही हैं। ऐसी कंपनियों को चुनावी बॉन्ड की आड़ में फंडिंग की इजाजत देना देश के खजाने की लूट ही मानी जाएगी। विपक्ष में रहकर सभी पार्टियां चुनावी व्यवस्था को ठीक करने की बात करती हैं, लेकिन काले धन के बाहुल्य से सरकार बनाने की होड़ में शुचिता के संकल्प तिरोहित हो जाते हैं। नेताओं को चुनाव जीतने के बाद गाड़ी, बंगला और अनेक सुविधाएं मिलती हैं। पार्टियों के चंदे और आमदनी पर कोई टैक्स नहीं लगता और उन्हें बेशकीमती सरकारी जमीन पर ऑफिस बनाने की सहूलियत मिलती है। चुनाव आयोग और आयकर विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, कई रजिस्टर्ड पार्टियां मनी लॉन्ड्रिंग के कारोबार में लिप्त हैं। संविधान में जनता के शासन को मान्यता मिली है, लेकिन इस सांविधानिक व्यवस्था को पार्टियों ने अपहृत कर लिया है।

आप के साथ नहीं बन रही बात

कांग्रेस पार्टी ने भी अब आम आदमी पार्टी से दूरी बनानी शुरू कर दी है क्योंकि दोनों पार्टियों के बीच सीट बंटवारे की बात नहीं बन रही है। लेकिन तालमेल नहीं होने का एकमात्र कारण यही नहीं है कि दोनों में सीट बंटवारा फाइनल नहीं हो पाया है। इसके अलावा एक कारण राजनीति है और दूसरा वैचारिक है। सबसे पहला कारण तो आम आदमी पार्टी की ज्यादा सीटों पर लडने और अलग अलग राज्यों में लड़ कर कांग्रेस की मदद से अपना आधार बड़ा करने की है। इसी योजना के तहत अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने गुजरात और असम में उम्मीदवार की घोषणा कर दी। उसके बाद खुद केजरीवाल ने पहले पंजाब में सभी 13 सीटों पर लडने का ऐलान किया और उसके बाद दिल्ली में भी सभी सात सीटों पर लडने का संकेत दिया। कहा जा रहा है कि जल्दी ही केजरीवाल की पार्टी हरियाणा और गोवा में भी उम्मीदवार घोषित करेगी। कांग्रेस के जानकार सूत्रों का कहना है कि पार्टी की अलग अलग राज्य इकाइयों और नेशनल एलायंस कमेटी ने पार्टी नेतृत्व को केजरीवाल की रणनीति के बारे में आगाह किया। कांग्रेस उनसे तालमेल में अपना राजनीतिक नुकसान देख रही है। पार्टी के नेताओं का कहना है कि जहां केजरीवाल मजबूत हैं वहां उनकी मदद के बावजूद कांग्रेस को बहुत फायदा नहीं होना है। लेकिन जहां केजरीवाल की पार्टी का वजूद नहीं है वहां अगर कांग्रेस ने उनके लिए सीटें छोड़ीं तो वहां आम आदमी पार्टी का आधार मजबूत होगा। मिसाल के तौर पर असम में या हरियाणा में कांग्रेस तालमेल करके लड़ेगी तो बेशक आप को दो–तीन सीट ही मिले लडने के लिए लेकिन इन दोनों राज्यों में उसका आधार मजबूत होगा। ध्यान रहे केजरीवाल हरियाणा के रहने वाले हैं लेकिन तमाम प्रयास के बावजूद पिछले 12 साल में वे अपने गृह राज्य में पैर रखने तक की जगह नहीं बना पाए हैं। तभी वे कांग्रेस की मदद से जमने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस के जानकार नेताओं का कहना है कि अगर केजरीवाल दिल्ली में कांग्रेस के लिए सीट छोड़ते हैं तभी कांग्रेस को कोई फायदा होगा। इसके अलावा किसी भी राज्य में दोनों के साथ मिल कर लडने का फायदा सिर्फ और सिर्फ केजरीवाल को होगा। कांग्रेस के एक नेता ने अनौपचारिक बातचीत में कहा कि दिल्ली में जब कांग्रेस मजबूत थी तब उसने केजरीवाल को समर्थन दिया था, जिसके बाद कांग्रेस का वोट उनके साथ चला गया और कांग्रेस जीरो पर गई। अब केजरीवाल मजबूत हैं और अगर उनके समर्थन से कांग्रेस लड़ती है तो वह अपना कुछ खोया हुआ वोट वापस हासिल कर सकती है। राजनीतिक पहलू के अलावा एक वैचारिक पहलू भी है, जिसे लेकर कांग्रेस के नेता आशंकित भी हैं और अपने लिए संभावना भी देख रहे हैं। गौरतलब है कि केजरीवाल की पार्टी ने राममंदिर कार्यक्रम के दिन यानी 22 जनवरी को पूरी दिल्ली में सुंदरकांड का पाठ कराया था और अब हर महीने के पहले मंगलवार को इसके आयोजन का ऐलान किया है। इस बीच केजरीवाल पूरे परिवार के साथ अयोध्या दर्शन के लिए भी गए हैं। वे साथ में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी ले गए हैं। कांग्रेस को लग रहा है कि भाजपा जैसी ही राजनीति करने से मुस्लिम मतदाता केजरीवाल का साथ छोड़ सकते हैं और फिर कांग्रेस की ओर वापस लौट सकते हैं। इसलिए भी कांग्रेस के नेता अलग लडने की संभावना पर विचार कर रहे हैं।

सफेद झूठ/काला झूठ!

भारत में इन दिनों वह सब है जिससे विभाजन बने। और इसके लिए झूठ का सर्वाधिक उपयोग है। तभी एक दूसरे को झूठा बनाने, बताने की तू–तू, मैं–मैं का सैलाब जनता से संसद सभी तरफपसरा हुआ है। समाज हो, धर्म हो, आर्थिकी हो और राजनीति सर्वत्र अब झूठमेव जयते है। उस नाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भाजपा सरकार निश्चित ही इतिहास बना रही है। कोई सामान्य बात नहीं जो आजाद भारत के इतिहास में पहली बार केंद्र सरकार का पूर्ववर्ती सरकार पर एक श्वेत पत्र जारी हुआ। यह साबित करने के लिए कि कांग्रेस की सरकार आर्थिकी की सत्यानाशी थी जबकि नरेंद्र मोदी सरकार ने अमृतकाल से, विकसित भारत सेस्वर्णयुग की नींव बना डाली! वाह! क्या बात है। एक व्हाईट पेपर से वैश्विक साख में प्रमाणित अर्थशास्त्री डा मनमोहनसिंह और उनके वित्त मंत्री प्रणब मुकर्जी (जिन्हे मोदी सरकार ने भारत रत्न से नवाजा है!) और पी चिंदबरम को भारतीय अर्थव्यवस्था की कुव्यवस्था का खलनायक बना डाला वहीं नरेंद्र मोदी और उनके वित्तमंत्री रहे दिवंगत जेतली व निर्मला सीतारमणसे विकसित आर्थिकी के पिरामिड़ बने है! 59 पन्नों के संसद में पेश किए गए सरकारी व्हाईट पेपर में 2014से पहले के उन कोयला, 2जी स्पेट्रम, कॉमनवेल्थ घोटालो का जिक्र है जिसमें मौजूदा सरकार की जांचों, हल्ले के बावजूद न किसी घोटाले में किसी मंत्री–उद्योगपति से एक रूपया बरामद हुआ और न अदालतों में नेता–कारोबारी नेक्सस प्रमाणित या नेता अपराधी करार। इस व्हाईट पेपर की माने तो डा मनमोहनसिंह–प्रणब मुकर्जी टीम से उनके दस साला राज में आर्थिक कुव्यवस्था बनीतो नीतिगत अंपगता भी थी। सवाल है2014 में श्अच्छे दिनोंश हर एकाउंट में पंद्रह लाख रू डलवाने के झांसों से शुरू मोदी सरकार को भला दस साल बाद 2024 में विकसित भारत, स्वर्णिम काल बना लेने के बाद भी डा मनमोहनसिंह–प्रणब मुकर्जी–पी चिदंबरम के कार्यकाल पर कालिख पोतने की जरूरत क्यों हुई? इतना ही नहीं इसके लिए संसद सत्र के आखिरी दिन चुने गए। खूब ढिढ़ोरा पीटा जा रहा है। वजहचुनावों की करीबि है। और लोगों को उल्लू बना कर चुनाव जीतना1952 से भारत के नेताओं का बीजमंत्र है। सत्ता में दस साल रहने के बाद भी कांग्रेस को कोस–कोस कर गालियां देना सत्तापक्ष के लिए जरूरी है ताकि जनता अपनी आर्थिक बदहाली में सरकार को दोषी मानने के बजाय कांग्रेस के विलेन होने में खोई रहे। चुनाव में लोगों की माली दशा, मंहगाई, बेरोजगारी, भूख के तमाम प्रकारों से खतरे है। इसे बूझते हुए पहले यह झूठ प्रसारित हुआ कि दस सालों में पच्चीस करोंडो लोगों की गरीबी खत्म कर दी गई है और फिर लोकसभा के आखिरी सत्र के आखिरी दिनों में सफेद झूठों का ढ़ंका है। सोचे, जरा आर्थिकी कुव्यवस्था के आरोप पर? आर्थिक कुव्यवस्था के रिकार्ड में भला मोदी राज की नोटबंदी से बड़ा आजाद भारत के इतिहास में कोई दूसरा प्रतिमान है? ऐसे ही नीतिगत अंपगता पर गौर करें तो शुरूआती भूमि अधिग्रहण बिल से लेकर चीनी सेना की भारतीय सीमा में घुसपैठ, कब्जे के गतिरोध, कृषि सुधारों के तीन बिल, सीएए बना कर उसकों लटकाएं रखने से लेकर हालिया मणिपुर माले में जैसी नीतिगत अपंगता क्या मामूली रिकार्ड है? सो हकीकत को कैसे ढका जाए? पिछली सरकार को और सफेद झूठों में डुबो कर! जाहिर है भारत के राज धर्म में झूठ का रंग जहां सफेद है। वही विपक्ष के झूठ का रंग है काला!

इमरान खान की पत्नी बुशरा को जान का खतरा! जेल में बीमार पड़ने के बाद बहन ने किया दावा

यूसुफजई ने एक बयान में कहा कि बुशरा बीबी ने उन्हें बताया कि जेल अधिकारियों ने जानबूझकर भोजन में एक अम्लीय रासायनिक पदार्थ मिलाया था। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी का प्रतिनिधित्व करने वाले एक वकील ने जेल अधिकारियों पर उनके भोजन के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है, जिसके कारण उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया। बुशरा बीबी वर्तमान में अपने बानीगाला निवास में कैद हैं, जिसे तोशाखाना मामले में उनके और इमरान खान की सजा और सजा के बाद उप–जेल के रूप में नामित किया गया है। घटना छह दिन पहले की है। बुशरा बीबी के वकील और प्रवक्ता मशाल यूसुफजई ने आरोप लगाया है कि पूर्व प्रथम महिला को असामान्य मसालेदार भोजन खाने के बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हुईं। यूसुफजई ने एक बयान में कहा कि बुशरा बीबी ने उन्हें बताया कि जेल अधिकारियों ने जानबूझकर भोजन में एक अम्लीय रासायनिक पदार्थ मिलाया था। यूसुफजई ने कहा कि उस भोजन को खाने के बाद उसके मुंह और गले में छाले हो गए हैं और तब से वह बहुत अस्वस्थ है। उन्होंने आगे कहा कि वह देश को इस दुर्भावनापूर्ण कृत्य और इससे होने वाले नुकसान के बारे में बताना चाहती

हैं। इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) ने एक्स पर एक पोस्ट में फासीवादी शासन पर इमरान खान की पत्नी पर दुर्भावनापूर्ण हमला करने और उन्हें आवश्यक चिकित्सा सहायता देने से इनकार करने का आरोप लगाया। पोस्ट में आगे कहा गया कि कोई गलती न करें, इन जघन्य कृत्यों के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। पाकिस्तान मजबूत है। इमरान खान मजबूत हैं। पार्टी ने मामले की तात्कालिकता पर जोर देते हुए उच्च न्यायालयों से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है।

भारत से ताइवान जाएंगे 1 लाख मजदूर, एमयू पर हुए हस्ताक्षर

ताइवान में श्रम मंत्रालय ने कहा कि ताइपे और दिल्ली में वास्तविक दूतावासों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे, लेकिन कार्यान्वयन के विशिष्ट विवरण पर अभी भी काम करने की आवश्यकता है।

भारत और ताइवान ने ताइपे में श्रमिकों की कमी को दूर करने के प्रयास में भारतीय प्रवासी श्रमिकों को द्वीप पर लाने के लिए शुक्रवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। ताइवान अपने सेमीकंडक्टर उत्पादन के लिए जाना जाता है। लेकिन उसकी आबादी बूढ़ी हो रही है और वर्तमान में यह वियतनाम, इंडोनेशिया, फिलीपींस और थाईलैंड जैसे दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के प्रवासी श्रमिकों पर निर्भर है। ये श्रमिक मुख्य रूप से विनिर्माण क्षेत्र में या

बुजुर्गों की देखभाल करने वाले के रूप में कार्यरत हैं। इसे भी पढ़ेंरू अमेरिकी सीनेट से लगी मुहर, यूक्रेन, इजराइल और ताइवान के लिए लंबे समय से विलंबित 95 बिलियन के सहायता पैकेज को मंजूरी

ताइवान में श्रम मंत्रालय ने कहा कि ताइपे और दिल्ली में वास्तविक दूतावासों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे, लेकिन कार्यान्वयन के विशिष्ट विवरण पर अभी भी काम करने की आवश्यकता है। मंत्रालय ने स्वीकार किया कि ताइवान के विनिर्माण, निर्माण, कृषि और अन्य उद्योगों में श्रमिकों की मांग लगातार बढ़ रही है, और देश अपने दम पर इस मांग को पूरा करने में असमर्थ है। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय श्रमिकों की गुणवत्ता स्थिर है, वे मेहनती हैं और अच्छे विचार वाले हैं। ताइवान के श्रम मंत्रालय के अनुसार, शुरुआत में एक छोटे पैमाने का पायलट कार्यक्रम शुरू किया जाएगा और सफल होने पर अधिक भारतीय श्रमिकों को ताइवान में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी। हालाँकि, श्रमिकों की सटीक संख्या अभी तक निर्धारित नहीं की गई है। ताइवान ने पिछली रिपोर्टों का खंडन किया है जिसमें कहा गया था कि 100,000 तक भारतीय श्रमिकों को अनुमति दी जाएगी। हालाँकि भारत के ताइवान के साथ औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं, लेकिन एक मजबूत व्यापारिक संबंध है, भारत सक्रिय रूप से ताइवान की तकनीकी कंपनियों को भारत में निवेश और निर्माण करने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह कदम चीन के साथ भारत के तनावपूर्ण संबंधों से भी प्रभावित है।

कनाडा में भारतीय छात्र की कार्डियक अरेस्ट से मौत, परिवार ने विदेश मंत्रालय से लगाई बाडी मंगाने की गुहार

अहमद के चाचा द्वारा लिखे गए पत्र में कहा गया है कि यह खबर सुनकर उनके माता–पिता और पूरा परिवार सदमे की स्थिति में है और आपसे अनुरोध है कि आप ओटावा इंडियन हाई कमीशन से उनके पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द हैदराबाद वापस भेजने के लिए कहें। हैदराबाद के एक 25 वर्षीय भारतीय छात्र की शुक्रवार को कनाडा में कार्डियक अरेस्ट से मौत हो गई। तेलंगाना स्थित राजनीतिक दल मजलिस बचाओ तहरीक (एमबीटी) के नेता अमजद उल्लाह खान ने कहा कि छात्र की पहचान शेख मुजम्मिल अहमद के रूप में की गई है। अमजद उल्लाह खान के अनुसार, शेख मुजम्मिल अहमद के परिवार ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखा है और उनके पार्थिव शरीर को भारत वापस लाने के लिए मदद मांगी है। अहमद के चाचा द्वारा लिखे गए पत्र में कहा गया है कि यह खबर सुनकर उनके माता–पिता और पूरा परिवार सदमे की स्थिति में है और आपसे अनुरोध है कि आप ओटावा इंडियन हाई कमीशन से उनके पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द हैदराबाद वापस भेजने के लिए कहें। जयशंकर को टैग करते हुए एमबीटी नेता ने एक्स पर लिखा हैदराबाद, तेलंगाना राज्य का एक शेख मुजम्मिल अहमद – 25 साल का, दिसंबर 2022 से कनाडा के ओन्टारियो के किचनर सिटी में कॉनस्टोगा कॉलेज, वाटरलू कैंपस से आईटी में मास्टर्स की पढ़ाई कर रहा था। पिछले एक सप्ताह से बुखार से पीड़ित थे, लेकिन उनके परिवार को उनके दोस्त का फोन आया कि आज कार्डियक अरेस्ट के कारण उनकी मृत्यु हो गई। पिछले हफ्ते, एमबीटी नेता ने एक अन्य घटना पर भी प्रकाश डाला था जहां सैयद मजाहिर अली नामक एक भारतीय छात्र पर शिकागो में क्रूरतापूर्वक हमला किया गया था।

जापान के बाद अब ब्रिटेन भी मंदी का शिकार, ये आम लोगों की जिंदगी पर क्या डालेगा प्रभाव

चालू वित्त वर्ष की तिसरी तिमाही में जापान की अर्थव्यवस्था में गिरावट देखने को मिली थी। इस गिरावट की वजह से जापान में मंदी के आसार बने हुए हैं। जापान और ब्रिटेन में क्या हुआ? इसका आम आदमी पर क्या असर हो सकता है इस रिपोर्ट से आपको बताते हैं। जापान की अर्थव्यवस्था अप्रत्याशित रूप से मंदी की चपेट में आ गई और देश ने दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का अपना स्थान खो दिया है। अब ये खिलाब जर्मनी को मिल गया है। जापान तीसरी अर्थव्यवस्था के पायदान से फिलकर चौथे पर आ गया है। चालू वित्त वर्ष की तिसरी तिमाही में जापान की अर्थव्यवस्था में गिरावट देखने को मिली थी। इस गिरावट की वजह से जापान में मंदी के आसार बने हुए हैं। जापान और ब्रिटेन में क्या हुआ? इसका आम आदमी पर क्या असर हो सकता है इस रिपोर्ट से आपको बताते हैं। कमजोर घरेलू मांग ने जापान की अर्थव्यवस्था पर असर डाला है और लगातार दूसरी तिमाही में इसमें अप्रत्याशित गिरावट आई है, जिससे इस साल किसी समय अपनी अति–आसान नीति से बाहर निकलने की केंद्रीय बैंक की योजना के बारे में अनिश्चितता बढ़ गई है। जर्मनी अब दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो गया है। परिवारों और व्यवसायों द्वारा लगातार तीसरी तिमाही में खर्च में कटौती के कारण जापान की अर्थव्यवस्था पिछले साल अमेरिकी डॉलर के मामले में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पिछले साल अक्टूबर में अनुमान लगाया था कि अमेरिकी डॉलर में मापने पर जर्मनी दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में जापान से आगे निकलने की संभावना है। हालाँकि, रैंकिंग में बदलाव की घोषणा आईएमएफ द्वारा तभी की जाएगी जब दोनों देश अपने आर्थिक विकास के आंकड़ों के अंतिम संस्करण प्रकाशित कर देंगे। इसने 1980 में अर्थव्यवस्थाओं की तुलना करते हुए डेटा प्रकाशित करना शुरू किया। ब्रिटेन का क्या हाल है? ब्रिटेन 2023 की दूसरी छमाही में हल्की मंदी की चपेट में आ गया, जिससे पता चलता है कि प्रधान मंत्री ऋषि सुनक अब तक अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के अपने वादे को पूरा करने में विफल रहे हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के गुरुवार को जारी आंकड़े बताते हैं कि चौथी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद 0.3: गिर गया, जो अर्थशास्त्रियों के पूर्वानुमान से 0.1: की गिरावट से अधिक है। इसके बाद पिछले तीन महीनों में अपरिवर्तित 0.1: की गिरावट आई, जो अर्थशास्त्रियों की मंदी की तकनीकी परिभाषा, या संकुचन की लगातार दो तिमाहियों को पूरा करती है। पूरे वर्ष अर्थव्यवस्था में अभी भी 0.1: की वृद्धि हुई है, यह महामारी के पहले वर्ष को छोड़कर, 2009 के बाद से यूके में देखा गया सबसे धीमा वार्षिक विस्तार था। ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था ने पिछली बार पिछले साल के पहले तीन महीनों में एक चौथाई वृद्धि दर्ज की थी।आम आदमी के लिए इसके क्या मायने हैं? मंदी आम आदमी के लिए बुरी है। बीबीसी के मुताबिक, कंपनियों द्वारा कर्मचारियों की छंटनी करने से बेरोजगारी बढ़ सकती है। दूसरों को पदोन्नति पाने या मूल्य वृद्धि के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए पर्याप्त वेतन वृद्धि प्राप्त करना कठिन हो सकता है। हालाँकि, मंदी का दर्द आम तौर पर पूरे समाज में समान रूप से महसूस नहीं किया जाता है, और असमानता बढ़ सकती है। लेख में कहा गया है कि निश्चित आय पर जीवन यापन करने वालों को अधिक कठिनाइयों का सामना

ऐसे तो युद्ध में ज्यादा समय तक नहीं टिक पायेगा

ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि ताजा खबर यह है कि नाटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में चेतावनी दी है कि यूक्रेन के लिए नई सैन्य सहायता में अमेरिकी कांग्रेस की देरी का पहले से ही युद्ध के मैदान पर असर पड़ रहा है। प्रभासाक्षी न्यूज नेटवर्क के खास कार्यक्रम शौर्य पथ में इस सप्ताह हमने ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) से जानना चाहा कि रूस–यूक्रेन युद्ध अब किस दिशा में आगे बढ़ रहा है? हमने यह भी जानना चाहा कि यूक्रेन को अमेरिकी कांग्रेस से बड़ी मुश्किल से वित्तीय मदद तो मिल गयी है लेकिन क्या अब इस तरह से यूक्रेन के लिए युद्ध जारी रख पाना संभव होगा? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि दो वर्ष की अवधि पूर्ण करने की ओर बढ़ रहा यह युद्ध अब तक किसी निर्णय पर नहीं पहुँचा है। उन्होंने कहा कि वैसे दुनिया जानती है कि रूस की जीत तय है लेकिन उसे जीत से दूर रखने के लिए अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने अब तक पूरा जी–जान लगा रखा था लेकिन अब उनका भी धैर्य समाप्त होने लगा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में चूंकि इस साल राष्ट्रपति चुनाव भी हैं इसलिए यूक्रेन को मदद जारी रखने या नहीं रखने को लेकर राजनीतिक मतभेद बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि ऐसी स्थिति इस पूरे साल बनी रही तो यूक्रेन युद्ध के मैदान में ज्यादा समय तक नहीं टिका रह पायेगा।ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि इसके अलावा इस मामले में ताजा खबर यह है कि नाटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में चेतावनी दी है कि यूक्रेन के लिए नई सैन्य सहायता में अमेरिकी कांग्रेस की देरी का पहले से ही युद्ध के मैदान पर असर पड़ रहा है। जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने कहा कि उन्हें अब भी विश्वास है कि कांग्रेस अंततः रुके हुए +60 बिलियन डॉलर के पैकेज को भी मंजूरी दे देगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा यूक्रेन ने कहा है कि उसकी अर्थव्यवस्था ढहने की कगार पर है और युद्ध से तबाह हुए प्रतिष्ठानों के पुनर्निर्माण के लिए पैसा नहीं बचा है और काम के टलने से लागत बढ़ रही है। ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि इसके अलावा एक सैन्य प्रवक्ता ने कहा है कि यूक्रेन अवदीवका में एक युद्धाभ्यास

कर रहा है। साथ ही, यूक्रेन ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शहर में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिया है, जो तीन तरफ से रूसी सेनाओं से घिरा हुआ है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा इस सप्ताह गुरुवार को यूक्रेन ने कहा कि रूसी हवाई और मिसाइल हमलों के बाद खेरसॉन और खार्किव में चार लोग मारे गएय जबकि रूसी सीमावर्ती शहर बेलगोरोड के अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेनी रॉकेट हमले में कम से कम सात लोग मारे गए।ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि इसके अलावा फ्रांस और यूक्रेन ने सुरक्षा पर एक द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। उन्होंने कहा कि इस समझौते और मदद मांगने के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की फ्रांस और जर्मनी के दौरे पर हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा ब्रिटिश रक्षा सचिव ग्रांट शाप्स ने कहा है कि ब्रिटेन यूक्रेन के लिए लातविया के साथ एक प्रमुख ड्रोन क्षमता विकसित करेगा। उन्होंने कहा कि साथ ही एक खबर यह भी है कि यूक्रेनी सैन्य खुफिया ने यह दावा तेज कर दिया है कि यूक्रेन में रूसी सैनिक स्टारलिंक उपग्रह इंटरनेट टर्मिनलों का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वॉल स्ट्रीट जर्नल में कहा गया कि रूसियों के पास हजारों की संख्या में ये सुविधाएं हैं और वे दूसरे देश से इन्हें खरीदकर ष्काफी लंबे समय सेष इनका इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उधर स्टारलिंक ने कहा है कि वह रूस में या उसके साथ कोई व्यवसाय नहीं करता है, लेकिन वह इस बात से इंकार करने या इसका खंडन करने में विफल रहा है कि रूसी किसी तरह उसके टर्मिनल को प्राप्त कर रहे हैं और यूक्रेनी क्षेत्र में उनका उपयोग कर रहे हैं।

प्रिगोझिन के बाद अब पुतिन के सबसे बड़े दुश्मन को भी क्या निपटा दिया गया ? एलेक्सी नवलनी की जेल में हुई मौत

चिकित्सा कर्मचारी तुरंत पहुंचे और एक एम्बुलेंस टीम को बुलाया गया। इसमें कहा गया है पुनर्जीवन उपाय किए गए जिसके सकारात्मक परिणाम नहीं मिले। पैरामेडिक्स ने दोषी की मौत की पुष्टि की। मौत के कारणों का पता लगाया जा रहा है। जेल में बंद रूसी विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की मौत हो गई है। यमालो–नेनेट्स क्षेत्र की जेल सेवा ने अपने बयान में ये जानकारी दी है। जारी बयान में कहा गया कि नवलनी को टहलने के बाद बुरा लगा, वह लगभग तुरंत ही बेहोश हो गए। चिकित्सा कर्मचारी तुरंत पहुंचे और एक एम्बुलेंस टीम को बुलाया गया। इसमें कहा गया है पुनर्जीवन उपाय किए गए

जिसके सकारात्मक परिणाम नहीं मिले। पैरामेडिक्स ने दोषी की मौत की पुष्टि की। मौत के कारणों का पता लगाया जा रहा है। हालाँकि, उनकी टीम की ओर से एलेक्सी नवलनी की मौत की कोई पुष्टि नहीं की गई है क्योंकि उनके सहयोगी किरा यर्मिश ने कहा लेक्सी के वकील खारप के लिए उड़ान भर रहे हैं और जैसे ही हमें कोई जानकारी मिलेगी, हम इसकी रिपोर्ट करेंगे। एलेक्सी नवलनी चरमपंथ के आरोप में 19 साल की सजा काट रहे थे और उन्हें दिसंबर में मध्य रूस के व्लादिमीर क्षेत्र की एक जेल से उत्तरी रूस के ष्विशेष शासनष दंड कॉलोनी– आईके–3– उपनाम ष्पोलर वुल्फष में स्थानांतरित कर दिया गया था खारप शहर मास्को से 1,900 किलोमीटर उत्तर पूर्व में। यह जेल रूस की सबसे कठिन जेलों में से एक मानी जाती है, जहां बंद अधिकांश बंदियों को गंभीर अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया है। आर्कटिक दंड कॉलोनी से एक वीडियो कॉल में अपनी पहली सार्वजनिक उपस्थिति में मजाक में कहा कि ष्काफी दूर होने के कारण उन्हें अभी तक कोई क्रिसमस मेल नहीं मिला है खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए क्रेमलिन ने कहा कि उन्हें एलेक्सी नवलनी की मौत के कारण के बारे में कोई जानकारी नहीं है, हालांकि जेल सेवा सभी जांच संभव कर रही है

अमेरिका के कंधे पर सिर रखकर रोने लगे इमरान, गिड़गिड़ाते हुए कर दी ये अपील

इमरान खान ने पाकिस्तान में चुनावों की पारदर्शिता को लेकर चिंताओं पर अमेरिका से आवाज उठाने का आह्वान करते हुए कहा कि अमेरिका पूरी दुनिया में लोकतंत्र की आवाज की तरह काम करता है, लेकिन अमेरिका और यूरोप दोनों ने धांधली पर चुप्पी साध रखी है। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान भले ही अब तक अमेरिका को कोसते आए हों। लेकिन पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री ने अमेरिका से गिड़गिड़ाते हुए गुहार लगाई है। उन्होंने अमेरिका से आग्रह किया कि उनके देश में हाल में हुए आम चुनावों में हुई ''धांधली'' को लेकर उसे आवाज उठानी चाहिए। इंडियन एक्सप्रेस की खबर के अनुसार जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पाकिस्तान में चुनावों की पारदर्शिता को लेकर चिंताओं पर अमेरिका से आवाज उठाने का आह्वान करते हुए कहा कि अमेरिका पूरी दुनिया में लोकतंत्र की आवाज की तरह काम करता है, लेकिन अमेरिका और यूरोप दोनों ने धांधली पर चुप्पी साध रखी है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, तोशखाना और सिफर मामलों में इमरान खान की सजा के खिलाफ बैरिस्टर अली जफर के माध्यम से इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के समक्ष अलग–अलग याचिकाएं दायर की गईं। तोशखाना याचिका में राज्य और जवाबदेही ब्यूरो को प्रतिवादी बनाया गया और आईएचसी से इमरान पर लगाए गए दोषी और सजा के निष्पादन को निलंबित करने का आग्रह किया गया। याचिका में उच्च न्यायालय से उन्हें आरोपों से बरी करने का आग्रह किया

गया। याचिका में दलील दी गई कि ट्रायल कोर्ट ने संदिग्ध को निष्पक्ष सुनवाई का मौका दिए बिना जल्दबाजी में फैसला सुनाया। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) हाल ही में संपन्न आम चुनावों में कथित मतदान धांधली के खिलाफ कल देश भर में विरोध प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। इमरान खान की पीटीआई ने आम चुनाव 2024 में अभूतपूर्व, बड़े पैमाने पर बेशर्म धांधली के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है, जहां पीटीआई की 180 नेशनल असेंबली सीटों की जीत और संसद में दो–तिहाई बहुमत को नाजायज, फासीवादी शासन ने आधा कर दिया।

कनाडा में 25 वर्षीय भारतीय छात्र की दिल का दौरा पड़ने से मौत, शव को भारत भेजने की मांग

हैदराबाद के 25 वर्षीय छात्र शेख मुजम्मिल अहमद की कनाडा में कार्डियक अरेस्ट से मौत हो गई। अहमद के परिवार ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से उनके पार्थिव शरीर को भारत लाने में मदद करने का अनुरोध किया है। हैदराबाद के 25 वर्षीय छात्र शेख मुजम्मिल अहमद की कनाडा में कार्डियक अरेस्ट से मौत हो गई। अहमद के परिवार ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से उनके पार्थिव शरीर को भारत लाने में मदद करने का अनुरोध किया है। तेलंगाना के अहमद दिसंबर 2022 से ओंटारियो के किचनर सिटी में वाटरलू कैंपस के कॉन्स्टोगा कॉलेज से आईटी में मास्टर डिग्री कर रहे थे। वह पिछले एक सप्ताह से बुखार से पीड़ित थे, लेकिन उनके परिवार को उनके दोस्त का फोन आया कि शुक्रवार को कार्डियक अरेस्ट के कारण उनकी मृत्यु हो गई।तेलंगाना स्थित राजनीतिक दल मजलिस बचाओ तहरीक (एमबीटी) के नेता अमजद उल्लाह खान ने सोशल मीडिया पर घटना की जानकारी दी। अमजद उल्ला खान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पिछले एक हफ्ते में, लेकिन उनके परिवार को उनके दोस्त का फोन आया कि आज कार्डियक अरेस्ट के कारण उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने कहा ष्यह खबर सुनकर उनके माता–पिता और पूरा परिवार सदमे की स्थिति में है और आपसे अनुरोध है

एनाबेल सदरलैंड ने रचा इतिहास, महिला टेस्ट क्रिकेट का सबसे तेज दोहरा शतक लगाया

ॉस्ट्रेलिया की स्टार ॉलराउंडर एनाबेल सदरलैंड इतिहास रच दिया है। एनाबेल टेस्ट क्रिकेट में नई ऊंचाइयां छूते हुए शानदार दोहरा शतक लगाया है। मैच के दूसरे दिन ाय के समय 200 रन बनाने े बाद एनाबेल सदरलैंड ने हिलाओं के टेस्ट के इतिहास सबसे तेज दोहरा शत लगाने ा रिकॉर्ड अपने नाम किया ।साउथ अफ्रीका और ॉस्ट्रेलिया के बीच पर्थ में खेले ा रहे एकमात्र टेस्ट मुकाबले ऑस्ट्रेलिया की स्टार ॉलराउंडर एनाबेल सदरलैंड इतिहास रच दिया है। एनाबेल टेस्ट क्रिकेट में नई ऊंचाइयां छूते हुए शानदार दोहरा शतक लगाया है। मैच के दूसरे दिन ाय के समय 200 रन बनाने े बाद एनाबेल सदरलैंड ने

महिलाओं के टेस्ट के इतिहास में सबसे तेज दोहरा शत लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। बता दें कि, लंच ब्रेक के बाद सदरलैंड ने 113 रन से आगे खेलना शुरू किया और थके हुए दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी आक्रमण पर प्रहार जारी रखा। ड्रिंक्स के तुरंत बाद वह 150 के पार पहुंच गई थी। जिसके बाद उन्हें कोई भी गेंदबाज रोकने में असफल रहा और उन्होंने 200 का आंकड़ा छू लिया। उन्होंने 248 गेंदों में अपना दोहरा शतक लगाया जो कि महिला टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज डबल सेंचुरी है। एनाबेल से पहले ऑस्ट्रेलिया की ही कैरेन रोल्टन के नाम ये रिकॉर्ड दर्ज था। इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 2001 में 306 गेंदों में डबल सेंचुरी पूरी की थी। इस प्रक्रिया में एनाबेल सदरलैंड दोहरा शतक बनाने वाली सबसे कम उम्र की ऑस्ट्रेलियाई महिला भी बन गई है। सदरलैंड ने इस मैच में 210 रन बनाए और वे ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट में दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली महिला बल्लेबाज बन गई हैं।

सूर्यकुमार के मैसेज के बाद राजकोट पहुंचे थे सरफराज के पिता नौशाद खान, देखा बेटे का डेब्यू

सूर्यकुमार यादव नहीं होते तो सरफराज खान के पिता नौशाद अपने बेटे का डेब्यू देखने के लिए राजकोट नहीं आए होते और ना ही बेटे को अनिल कुंबले से टेस्ट कैप लेते देख पाते। सरफराज का डेब्यू देखने उनके पिता और पत्नी दोनों ही मौजूद रहे। जब उन्हें डेब्यू कैप मिली तो उनके पिता और पत्नी रोमाना बेहद भावुक हुए दोनों की आंखों में आंसू थे। राजकोट में खेले जा रहे भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट में दो भारतीय खिलाड़ियों का डेब्यू हुआ। पहले सरफराज खान और दूसरे ध्रुव जुरेल, जहां सरफराज खान को छठे नंबर पर खेलने का मौका मिला। वहीं इन दोनों ही खिलाड़ियों को पूर्व गेंदबाज अनिल कुंबले ने डेब्यू कैप सौंपी। इस दौरान मैदान पर सरफराज खान के पिता नौशाद खान भी मौजूद थे। लेकिन नौशाद खान राजकोट नहीं आना चाह रहे थे, उन्हें राजकोट बुलाने के पीछे सूर्यकुमार यादव का हाथ है। दरअसल, सूर्यकुमार यादव नहीं होते तो सरफराज खान के पिता नौशाद अपने बेटे का डेब्यू देखने के लिए राजकोट

नहीं आए होते और ना ही बेटे को अनिल कुंबले से टेस्ट कैप लेते देख पाते। सरफराज का डेब्यू देखने उनके पिता और पत्नी दोनों ही मौजूद रहे। जब उन्हें डेब्यू कैप मिली तो उनके पिता और पत्नी रोमाना बेहद भावुक हुए दोनों की आंखों में आंसू थे। वहीं सरफराज ने अपने डेब्यू मैच में ताबड़तोड 62 रन बनाए। लेकिन एक गलत कॉल के कारण वो रन आउट हो गए। बता दें कि, नौशाद को राजकोट आने से पहले अपना मन बनाने के लिए मदद की जरूरत पड़ी थी। जिसमें टीम इंडिया के मिस्टर 360 कहे जाने वाले सूर्यकुमार यादव ने अहम भूमिका निभाई। नौशाद ने खुद खुलासा किया कि सूर्युकुमार यादव के एक मैसेज ने उन्हें राजकोट आने के लिए मनाया। उन्होंने कहा कि शुरुआत में मुझे लगा कि मैं नहीं जा पाऊंगा क्योंकि इससे सरफराज दबाव में आ जाएगा और इसके अलावा मुझे जुकाम भी था लेकिन सूर्या के संदेश ने मेरे मन को लगभग पिघला दिया। नौशाद ने सूर्या का मैसेज भी पढ़ा। सूर्या ने सरफराज के पिता को संदेश में लिखा कि, मैं आपकी भावनाओं को समझता हूं, लेकिन मेरा विश्वास कीजिए। जब मैंने अपना टेस्ट डेब्यू किया था और अपनी टेस्ट कैप हासिल कर रहा था तब मेरे माता–पिता मेरे पीछे थे। वह पल मेरे लिए स्पेशल से भी बढ़कर था। ये क्षण अक्सर नहीं आते हैं। इसलिए मैं सुझाव दूंगा कि आपको जाना चाहिए।

इसके बाद नौशाद ने बताया कि, यह संदेश मिलने के बाद उन्होंने राजकोट की यात्रा करने का इंतजाम किया। उन्होंने कहा कि, सूर्या का यह संदेश मिलने के बाद मैं खुद को आने से नहीं रोक पाया। गोली खाई और राजकोट पहुंच गया।

डेब्यू मैच में ध्रुव जुरेल ने किया प्रभावित, इंग्लैंड के खिलाफ खेली बेहतरीन पारी

डेब्यू टेस्ट में ध्रुव जुरेल पने अर्धशतक से चूक गए। ुरेल रेहान अहमद की गेंद पर विकेट के पीछे कैच आउट हुए। स दौरान जुरेल के बल्ले से 2 ौके और 3 छक्के की मदद से 6 रन निकले। भारत और इंग्लैंड े बीच राजकोट में तीसरा स्ट मैच खेला जा रहा है। स मुकाबले में भारत ने ॉस जीतकर पहले ल्लेबाजी की। इस दौरान ुवा विकेटकीपर बल्लेबाज टीम इंडिया की तरफ से पना डेब्यू मैच खेला।

मुकाबले के दूसरे दिन के खेल में जुरेल की तरफ से बेहतरीन पारी देखने को मिली। भारतीय टीम ने 415 के कुल स्कोर पर 9वां विकेट गंवाया। डेब्यू टेस्ट में ध्रुव जुरेल अपने अर्धशतक से चूक गए। जुरेल रेहान अहमद की गेंद पर विकेट के पीछे कैच आउट हुए। इस दौरान जुरेल के बल्ले से 2 चौके और 3 छक्के की मदद से 46

रन निकले। ध्रुव जुरेल टी20 में फिनिशर की भूमिका निभाते हैं। 2020 अंडर–19 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का हिस्सा रहे जुरेल राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल में कई तेज पारियां खेल चुके हैं। आईपीएल की 11 पारियों में उनका स्ट्राइक रेट 173 का है। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में जुरेल यूपी के लिए दोहरा शतक भी जड़ चुके हैं।

शतक से न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट मे दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट से हराया, श्रृंखला 2–0 से जीती

विलियमसन ने पहले टेस्ट की दोनों पारियों में भी शतक जड़ा था जिसे न्यूजीलैंड ने 281 रन से जीता था। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी के आधार पर 31 रन की बढ़त हासिल की थी और फिर दूसरी पारी में 235 रन बनाकर न्यूजीलैंड को 267 रन का लक्ष्य दिया। न्यूजीलैंड ने चौथे दिन की शुरुआत एक विकेट पर 40 रन से की। मेजबान टीम को जीत के लिए इस समय 227 रन जबकि दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट की दरकार थी। हैमिल्टन। केन विलियमसन के नाबाद शतक और विल यंग के साथ उनकी अटटू शतकीय साझेदारी से न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट से हराकर उसके खिलाफ पहली बार टेस्ट श्रृंखाला जीती।

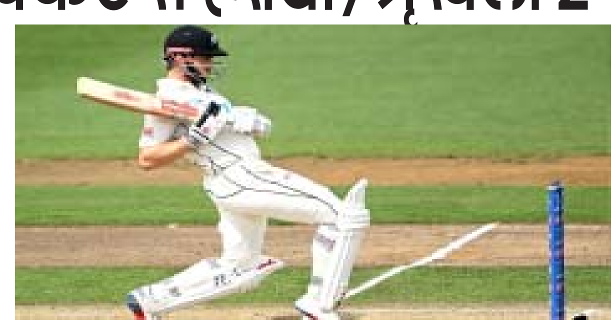

न्यूजीलैंड ने दो मैच की श्रृंखला 2–0 से अपने नाम की। विलियमसन ने 260 गेंद में 12 चौकों और दो छक्कों से 133 रन की नाबाद पारी खेलने के अलावा विल यंग (134 गेंद में नाबाद 60, आठ चौके) के साथ चौथे विकेट के लिए 152 रन की अटूट साझेदारी करके न्यूजीलैंड को तीन विकेट पर 269 रन पर पहुंचाकर जीतकर दिलाई। चौथी पारी में लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दर्ज करने के दौरान यह न्यूजीलैंड का पांचवां सबसे बड़ा स्कोर है। विलियमसन ने पहले टेस्ट की दोनों पारियों में भी शतक जड़ा था जिसे न्यूजीलैंड ने 281 रन से जीता था। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी के आधार पर 31 रन की बढ़त हासिल की थी और फिर दूसरी पारी में 235 रन बनाकर न्यूजीलैंड को 267 रन का लक्ष्य दिया। न्यूजीलैंड ने चौथे दिन की शुरुआत एक विकेट पर 40 रन से की। मेजबान टीम को जीत के लिए इस समय 227 रन जबकि दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट की दरकार थी। विलियमसन ने एक छोर संभाले रखा। उन्होंने अपना 32वां टेस्ट शतक 203 गेंद में पूरा किया और इस दौरान रचिन रविंद्र (20) के साथ तीसरे विकेट के लिए 64 रन भी जोड़े। ऑफ स्पिनर डेन पीट ने जब रविंद्र को आउट करके न्यूजीलैंछ का स्कोर तीन विकेट पर 117 रन किया तब मेजबान टीम को 150 रन की और जरूरत थी। विलियमसन ने इसके बाद यंग के साथ मिलकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। वह ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ के साथ 32 शतक के आंकड़े तक पहुंचने वाले सिर्फ दो सक्रिय खिलाड़ियों में शामिल हैं। विलियमसन ने 172वीं पारी में 32वां शतक जड़ा और वह स्मिथ, रिकी पोंटिंग, सचिन तेंदुलकर, यूनिस खान, सुनील गावस्कर, कुमार संगकारा, जाक कैलिस

लंदन में होगा विराट–अनुष्का के दूसरे बच्चे का जन्म, इस उद्योगपति ने किया बड़ा दावा!

विराट और उनकी पत्नी क्ट्रेस अनुष्का अपने दूसरे बच्चे ो लेकर चर्चा में हैं। उद्योगपति र्ष गोयनका ने अनुष्का शर्मा ी प्रेग्नेंसी को लेकर एक पोस्ट ेयर कर तहलका मचा दिया । उन्होंने हाल ही में अपने क्स अकाउंट पर एक ट्वीट िया है, जिसमें उन्होंने लिखा कि बस कुछ दिनों में एक बी जन्म लेने वाला है। भारतीय लामी बल्लेबाज विराट कोहली ौजूदा समय में टीम से बाहर ल रहे हैं। दरअसल, इंग्लैंड े खिलाफ खेली जा रही टेस्ट ीरीज से उन्होंने व्यक्तिगत ारणों से अपना नाम वापस ले लिया है। वहीं विराट और उनकी त्नी एक्ट्रेस अनुष्का इन दिनों ाफी चर्चा में हैं। दरअसल, लंबे समय से ये जोड़ी अपने दूसरे बच्चे को लेकर चर्चा में हैं।वहीं एक्ट्रेस की दूसरी प्रेग्नेंसी को लेकर लगातार खबरें आ रही हैं। लेकिन अभी तक कपल ने आधिकारिक रूप से कुछ भी नहीं कहा है। इन सबके बीच अब सोशल मीडिया से ये हिंट मिल रहा है कि कपल अपने सेकंड बेबी का वेलकम देश में नहीं बल्कि विदेश में करेंगे। बता दें कि, उद्योगपति हर्ष गोयनका ने अनुष्का शर्मा की प्रेग्नेंसी को लेकर एक पोस्ट शेयर कर तहलका मचा दिया है। उन्होंने हाल ही में अपने एक्स अकाउंट पर एक ट्वीट किया है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि बस कुछ दिनों में एक बेबी जन्म लेने वाला है। अब ये देखना होगा कि क्या वे अपने

पिता की तरह क्रिकेटर बनता है या फिर वह अपनी मं की तरह फिल्मों में करियर बनाएगा। इसी के साथ उन्होंने ये बताया कि बच्चे का जन्म लंदन में होगा। हर्ष गोयनका के इस पोस्ट से सोशल मीडिया पर हड़कंप मच गया है। बता दें कि, 2020 में विराट कोहली ने अनुष्का की प्रेग्नेंसी की खबर सोशल मीडिया पर दी थी। वहीं जनवरी 2021 में अनुष्का ने एक बेटी को जन्म दिया जिसका नाम वामिका कोहली है। हालांकि, अभी तक कपल ने बेटी का फेस रिवील नहीं किया है।

ईशान किशन ने फिर किया बीसीसीआई के निर्देशों को नजरअंदाज, रणजी ट्राफी के अंतिम चरण को भी छोड़ा

ईशान किशन गलती पर गलती किए जा रहे हैं। एक बार फिर उन्होंने बीसीसीआई के आदेशों को नजरअंदाज किया है। दरअसल, उन्होंने झारखंड के लिए रणजी ट्रॉफी मैचों के अंतिम दौर से बाहर होकर घरेलू क्रिकेट में खिलाड़ियों की उपलब्धता के बारे में बहस फिर से शुरू कर दी है। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन गलती पर गलती किए जा रहे हैं। एक बार फिर उन्होंने बीसीसीआई के आदेशों को नजरअंदाज किया है। दरअसल, उन्होंने झारखंड के लिए रणजी ट्रॉफी मैचों के अंतिम दौर से बाहर होकर घरेलू क्रिकेट में खिलाड़ियों की उपलब्धता के बारे में बहस फिर से शुरू कर दी है। हाल ही में बीसीसीआई सचिव जय शाह ने स्पष्ट किया कि सभी फिट केंद्रीय अनुबंध खिलाड़ियों को घरेलू मैचों में भाग लेना होगा। उन्होंने खिलाड़ी के विकास में घरेलू टूर्नामेंटों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि अगर आप फिट हैं तो कोई बहाना नहीं चलेगा।

गुस्से के लिए ये हार्मोंस होता है जिम्मेदार, जानें कैसे कर सकते हैं कंट्रोल

गुस्सा एक ऐसी भावना है ो हर किसी के जीवन में कभी कभी आती है.कभी छोटी–छोटी ातों पर, तो कभी बड़ी मस्याओं के कारण,हम खुद ो गुस्से के जाल में पाते हैं. ेकिन, क्या आपने कभी सोचा कि आखिर गुस्सा क्यों आता ? वास्तव में, हमारे शरीर में ुछ हार्मोन होते हैं जो हमारे ुस्से के लिए जिम्मेदार होते हैं. म उन हार्मोन्स के बारे में ानेंगे और आइए यह भी जानते कि हम अपने गुस्से को ैसे कंट्रोल कर सकते हैं.

गुस्से के हार्मोन्स

जब भी हमें गुस्सा आता , तो इसके पीछे हमारे शरीर े दो मुख्य हार्मोन, एड्रेनालिन ौर कोर्टिसोल, का बड़ा हाथ ोता है. सोचिए, जब आपको िसी बात पर बहुत ज्यादा नाव महसूस होता है या फिर ाप किसी मुश्किल स्थिति में ोते हैं, तो ऐसे में आपका ारीर इन हार्मोन्स को छोड़ता है. एड्रेनालिन और कोर्टिसोल के इस रिलीज होने से आपकी धड़कन तेज हो जाती है, मांसपेशियों में तनाव आ जाता है, और फिर आपको गुस्सा आने लगता है.

गुस्से को कैसे करें कंट्रोल

' गहरी सांस लेंरू जब भी आपको गुस्सा आए, गहरी और धीमी सांस लेने की कोशिश करें. इससे आपका दिमाग शांत होगा और आप बेहतर सोच पाएंगे. क्योंकि गुस्सा मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य

पर बुरा असर डालता है. इसलिए, जब भी आपको लगे कि गुस्सा आपके काबू से बाहर हो रहा है तो आप गहरी सांस लें.

' व्यायाम करें नियमित रूप से व्यायाम करने से न केवल आपका शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होगा, बल्कि यह तनाव को भी कम करता है और आपको अधिक शांत रखता है।

' समस्या की जड़ तक पहुंचेंरू

अक्सर, गुस्से का कारण कुछ और होता है. इसलिए, अपने आप से पूछें कि आपको वास्तव में क्या परेशान कर रहा है और उस समस्या का समाधान खोजने की कोशिश करें.

' ध्यान और योगरू ध्यान और योग के अभ्यास से आपका मन शांत होता है और आप अपने भावनाओं को बेहतर तरीके से संभाल पाते हैं. इससे हम

अपने गुस्से और दूसरी भावनाओं पर आसानी से काबू पा सकते हैं. इस तरह से अगर गुस्सा आए तो हम आसानी से कंट्रोल कर सकते हैं.

जीभ का रंग खोलता है कई राज, आज ही कांच में देखकर पता लगाएं– आपको कोई बीमारी तो नहीं है ?

जीभ सिर्फ खाने का टेस्ट ही नहीं बल्कि सेहत के बारे में भी कई राज उजागर करती है. रिसर्च के मुताबिक जब आप बीमार पड़ते हैं तो डॉक्टर सबसे पहले आपका जीभ चेक करता है क्योंकि जीभ सेहत के बारे में काफी कुछ बताती है. जीभ हमारे शरीर का बेहद महत्वपूर्ण पार्ट है. जीभ में ही वह सेंस होता है कि इससे आप खाने का स्वाद लगा सकते हैं. जीभ के रंग से हमारी हेल्थ का भी पता चलता है.आपके जीभ का रंग बदल रहा है तो बिना समय बर्बाद किए आपको तुरंत डॉक्टर से मिलना चाहिए. दरअसल, हाल ही में एक रिसर्च सामने आई है जिसमें साफ लिखा गया है कि कई गंभीर बीमारी के शुरुआती लक्षण में जीभ का रंग बदलता है.सफेद रंग की जीभ

आपके जीभ का रंग सफेद हो गया है तब यह एक बड़ी

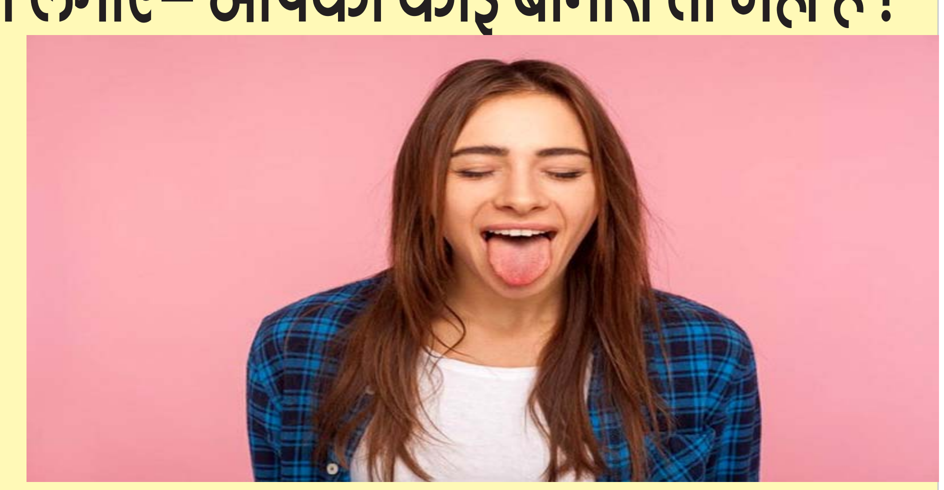

बीमारी का संकेत है. विशेषज्ञों के मुताबिक जब आपका जीभ सफेद रंग की हो रही है तो आपके शरीर में पानी की भारी कमी हो रही है. सफेद जीभ ल्यूकोप्लेकिया, ओरल लिचेन प्लेनस और सिफिलिस जैसे बीमारियों के शुरुआती लक्षणों को दर्शाता है.लाल रंग की जीभ

डॉक्टर्स के मुताबिक अगर आपके जीभ का रंग लाल हो गया है तो यह अक्सर ऐसी स्थिती में होता है जब शरीर में फ्लू, बुखार या संक्रमण ने दस्तक दी हो. लाल जीभ विटामिन बी और आयरन की कमी के लक्षण को दर्शाता है.

काले रंग की जीभ

जीभ का काला पडना एक गंभीर और बड़ी बीमारी का संकेत हैं. एक्सपर्ट के मुताबिक जीभ का काला पडना कैंसर, फंगस और अल्सर जैसी बीमारी होने का संकेत देता है. गले में बैक्टीरिया या फंगस की वजह से भी अक्सर जीभ का रंग काला पड़ जाता है.पीले रंग की जीभ

डॉक्टर्स के मुताबिक पीले रंग की जीभ ओवरईटिंग की वजह से भी हो सकती है. वहीं अगर बीमारी की बात करें तो यह डाइडेशन, लिवर या मुंह में ज्यादा बैक्टीरिया होने की वजह से भी जीभ का रंग का पीला पडने लगता है. इस कारण मुंह से बदबू आना, थकावट और बुखार हो सकता है.

क्राइम सीरीज पोचर का धमाकेदार ट्रेलर हुआ रिलीज, 23 फरवरी को प्राइम वीडियो पर होगा प्रीमियर

पिछले दिनों एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने एक टीजर रिलीज किया था जिसमें वो हैरान परेशान नजर आ रही थीं. वीडियो में आलिया कहती हैं कि जानवर को मारो या इंसान को मारो मर्डर तो मर्डर ही होता है. उस फिल्म का नाम पोचर है जिसका ट्रेलर आज यानी 15 फरवरी को रिलीज कर दिया गया है. इस फिल्म के प्रोड्यूसर्स में एक आलिया भट्ट भी हैं, अब वो पूरी फिल्म में हैं या सिर्फ कैमियो है ये समय बताएगा फिलहाल आप इस फिल्म का ट्रेलर देख लें.

एमी पुरस्कार विनर निर्माता रिची मेहता की फिल्म पोचर का ट्रेलर आ गया है. ये एक वेब सीरीज है जिसमें हांथी दांत के सबसे बड़े गिरोह को दिखाया गया है. पोचर को रिची मेहता और क्यूस एंटरटेनमेंट मिलकर बनाए हैं और फिल्म का ट्रेलर काफी जबरदस्त है.

आलिया भट्ट ने फिल्म पोचर का ट्रेलर प्राइम वीडियो इंडिया के साथ शेयर किया है. इसके कैप्शन में लिखा गया, भारत के सबसे बड़े क्राइम रैकेट की सबसे बड़ी कहानी. पोचर प्राइम पर, एक नई, ओरिजनल क्राइम सीरीज 23 फरवरी से स्ट्रीम करेगी.

सच्ची घटनाओं पर आधारित पोचर के इस ट्रेलर में आप देख पाएंगे जो लोग जानवरों के बेजुबान होने का किस तरह से फायदा उठाते हैं. ये एक क्राइम पर आधारित सीरीज है जिसमें भारत में हाथी दांत से जो लोग स्मगलिंग करते हैं ये सब भी दिखाया गया है. फिल्म का निर्माण और निर्देशन रिची मेहता की कर रहे हैं, वहीं इस सीरीज में निमिषा सजयन, रोशन मैथ्यू औ दिब्येंदु भट्टाचार्य जैसे सितारे भी

हैं. ये सीरीज हिंदी के साथ–साथ तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में भी स्ट्रीम होगी. जानकारी के लिए बता दें, इटरनल सनशाइन होम प्रोडक्शन की मालिक आलिया भट्ट भी इस फिल्म का हिस्सा हैं. आलिया इसमें बतौर एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर जुड़ी हैं. साथ ही फिल्म के कुछ सीन में भी आलिया नजर आएंगी. फिल्म पोचर की झलक आलिया भट्ट ने दिखाई थी जिसमें वो भी नजर आई थीं. इसके अलावा आलिया भट्ट के होम प्रोडक्शन में डार्लिंग भी बनाई गई थी. आलिया बॉलीवुड की बेहतरीन अभिनेत्री के साथ–साथ अब प्रोड्यूसर भी हैं.

शाहरुख खान स्टारर डंकी ओटीटी प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स पर दी दस्तक, बाक्स आफिस पर मचाया था धमाका!

राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी शाहरुख खान अभिनीत फिल्म डंकी पिछले साल सिनेमाघरों में रिलीज हुई और शानदार बॉक्स ऑफिस कलेक्शन करने में सफल रही। वहीं, जो दर्शक सिल्वर स्क्रीन पर इसका लुत्फ नहीं उठा सके थे, वो इसकी ओटीटी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। हालांकि, अब यह इंतजार खत्म हो चुका है। डंकी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक दे चुकी है। आइए जानते हैं कि मूवी किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम हो रही है–

कुछ घंटे पहले ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने शाहरुख खान का एक वीडियो जारी कर फैंस का उत्साह बढ़ा दिया था। सुपरस्टार ने कहा कि मंच पर जल्द ही कुछ विशेष आने वाला है, जिससे नेटिजन्स के बीच बड़ी चर्चा हुई। अब यह विशेष नेटफ्लिक्स पर आ चुका है, और यह कुछ और नहीं शाहरुख खान, तापसी पन्नू अभिनीत फिल्म डंकी है। डंकी अब अंग्रेजी सब–टाइटल के साथ हिंदी ऑडियो में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम हो रही है। हालांकि, ऐसी चर्चा थी कि फिल्म का प्रीमियर जियो सिनेमा पर होगा, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित डंकी प्यार और दोस्ती की एक गाथा है, जो बेतहाशा असमान कहानियों को एक साथ जोड़ती है। निर्देशक राजकुमार हिरानी, जो मुद्दों को कॉमेडी और भावना के साथ मिश्रित करने की अपनी क्षमता के लिए जाने जाते हैं, इस फिल्म में भी अपने शानदार निर्देशन की छाप छोड़ते नजर आए हैं। डंकी अवैध रूप से अपने पसंदीदा देश में घुसने की प्रक्रिया यानी डंकी फ्लाइट्स पर आधारित है।

डंकी की ओटीटी रिलीज पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए किंग खान कहते हैं, डंकी एक विशेष फिल्म है, और यह मेरे दिल के बहुत करीब है। हम आभारी हैं कि हम इस खूबसूरत कहानी को नेटफ्लिक्स के माध्यम से दुनिया भर के दर्शकों के साथ साझा कर सकते हैं। फिल्म भावनाओं की एक रोलरकोस्टर सवारी है, और मुझे उम्मीद है कि दोस्तों के एक समूह की यह असाधारण यात्रा विश्व स्तर पर दिल जीतेगी।

तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया 50 करोड़ रुपये की ओर, छठे दिन कमाई में आया बंपर उछाल

शाहिद कपूर और कृति सैनन की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया इन दिनों सिनेमाघरों में है और यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ठीक–ठाक प्रदर्शन कर रही है।फिल्म रोमांटिक कॉमेडी है। लिहाजा कयास लगाए जा रहे थे कि वैलेंटाइन डे के मौके पर इसकी कमाई में अच्छा इजाफा होगा और हुआ भी वैसा ही।फिल्म ने अपनी रिलीज के छठे दिन बढिया कारोबार किया।आइए जानते हैं अब तक यह फिल्म देशभर में कितनी कमाई कर चुकी है।फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 6.7 करोड़ रुपये के साथ शुरुआत की थी। इसके बाद दूसरे दिन 9.65 करोड़ रुपये और तीसरे दिन फिल्म ने 10.75 करोड़ रुपये कमाए, लेकिन चौथे दिन फिल्म ने 3.65 करोड़ की कमाई की। 5वें दिन इस फिल्म ने 3.85 करोड़ रुपये की कमाई की।रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने वैलेंटाइन डे यानी छठे दिन 6.75 करोड़ रुपये छापे। मतलब कि बीते दिन के मुकबले दोगुनी कमाई की।अब इस फिल्म ने भारत में 41.35 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। उधर दुनियाभर में फिल्म की कमाई 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है।फिल्म की कहानी एक रोबोट की है। ये रोबोट कृति हैं, जिनसे शाहिद को प्यार हो जाता है। इसके बाद वह अपने रिश्ते को आगे बढ़ाने के लिए इसे अपने परिवार के पास लेकर जाता है। फिर क्या कुछ होता है, यही सब फिल्म में दिखाया गया है। तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया ने 9 फरवरी को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाया था। इस फिल्म के निर्देशन की कमान अमित जोशी और आराधना साह ने संभाली है, वहीं फिल्म के निर्माता दिनेश विजान हैं।इस फिल्म की रिलीज का प्रशंसकों को बेसब्री से इंतजार था। हालांकि, सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद इसे दर्शकों और समीक्षकों से मिली–जुली प्रतिक्रिया मिली।इस फिल्म में दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र और डिंपल कपाडिया ने भी अहम भूमिका

अजय देवगन की शैतान का पहला गाना खुशियां बटोर लो हुआ रिलीज, फैमिली संग खूबसूरत पल एंजाय करते दिखें एक्टर

बॉलीवुड के सुपरस्टार अजय देवगन इस साल की अपनी पहली फिल्म शैतान को लेकर खूब चर्चा में बने हुए हैं. हाल ही में फिल्म का टीजर जारी किया गया था, जिसे दर्शकों की तरफ से काफी पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला. वहीं अब मेकर्स ने फिल्म का नया गाना खुशियां बटोर लो रिलीज किया है.

इस सॉन्ग को अजय ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी शेयर किया है, जहां वह अपनी हैप्पी फैमिली के संग क्वालिटी टाइम स्पेंड करते हुए नजर आ रहे हैं. वहीं इस गाने को शेयर करते हुए अजय देवगन ने कैप्शन में लिखा कि जब आप अपने परिवार के साथ होते हो, तो हर पल कीमती और खूबसूरत होता है... बता दें कि इस खूबसूरत गाने को जुबिन नौटियाल ने अपनी आवाज दी है. तो वहीं इसके बोल कुमार ने लिखे हैं और अमित त्रिवेदी ने इसका म्यूजिक दिया है.

अजय देवगन के अलावा फिल्म में आर. माधवन और ज्योतिका अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे. विकास बहल के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म एक सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म होगी, जिसमें आर माधवन एक खतरनाक विलेन के किरदार में लोगों को डराते हुए नजर आने वाले हैं.वहीं जबसे फिल्म का रोंगटे खड़े कर देने वाली टीजर सामने आया है, फैंस अजय की इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. टीजर को शेयर करते हुए एक्टर ने कैप्शन में लिखा था कि वो पूछेगा तुमसे...एक खेल है, खेलोगे? पर उसके बहकावे में मत आना! बता दें कि ये फिल्म 8 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.वहीं अजय देवगन के वर्कफ्रंट की बात करें तो इस साल अभिनेता अपनी कई सारी फिल्मों के साथ धमाल मचाने के लिए तैयार हैं. शैतान के बाद अजय स्पोर्ट्स ड्रामा मैदान में भी नजर आने वाले हैं, जो 23 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी. इसके अलावा सुपरस्टार सिंघम अगेन, औरों में कहां दम था, रेड 2, साढ़े साती जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में नजर आने वाले हैं.

रिलीज से पहले ही सिद्धार्थ मल्होत्रा की योद्धा ने बनाया रिकार्ड, आसमान में रिलीज हुआ फिल्म का पोस्टर

सिद्धार्थ मल्होत्रा पिछले लंबे समय से अपनी मचअवेटेड फिल्म योद्धा को लेकर चर्चा में बने हुए हैं. वहीं अब फिल्म का पोस्टर सामने आ चुका है. मूवी के इस नए पोस्टर को बेहद रोमांचक तरीके से रिलीज किया गया है.

इसका एक वीडियो फिल्म के हीरो सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अपने इंस्टाग्राम अकाफंट पर शेयर किया है. वीडियो में देखा जा सकता है कि किस तरफ से आसमान में फिल्म का पोस्टर जारी किया गया है. बता दें कि फिल्म का पोस्टर को 13 हजार फीट की ऊंचाई से दुबई में लॉन्च किया गया है.

वीडियो में देखा जा सकता है कि कुछ लोग पोस्टर को लेकर प्लेन के अंदर जाते हैं और फिर पोस्टर को लेकर प्लेन से छलांग मारते हं. इसके बाद पोस्टर खुलता है और फिल्म के हीरो का लुक सामने आता है. बता दें कि हिंदी सिनेमा में ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी फिल्म का पोस्टर इतनी उचाई से लॉन्च किया गया हो.वहीं इस नए पोस्टर के साथ एक्टर ने फिल्म के टीजर की घोषणा भी कर दी

है. 19 फरवरी को फिल्म का टीजर जारी किया जाएगा. वहीं सिद्धार्थ का ये पोस्ट खूब वायरल हो रहा है. पोस्ट पर कमेंट्स का बाढ़ आ गई है. फैंस उनके इस फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं. बता दें कि 13 मार्च को ये फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देगी.

फिल्म में एक ऐसा योद्धा की कहानी दिखाई गई है, जो एयरप्लेन हाईजैक करने वाले आतंकियों के खिलाफ लड़ता है और प्लेन मैं मौजूद सभी पैसेंजर को सही सलामत वापस लेकर आता है. वहीं इस योद्धा के किरदार में सिद्धार्थ मल्होत्रा नजर आएंगे, जो एक सोल्जर की भूमिका निभाएंगे.इस फिल्म के पहले शेरशाह में सिद्धार्थ एक सोल्जर की भूमिका निभा चुके हैं. ऐसे में फैंस अपने चहेते सितारे को बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेताब हैं. बता दें कि इस फिल्म में पहली बार सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ दिशा पाटनी स्क्रीन स्पेस शेयर करने वाली हैं,. वहीं इन दोनों के अलावा योद्धा में राशि खन्ना भी अहम भूमिका में हुए नजर आने वाली हैं.

फाइटर ने बाक्स आफिस पर भरी ऊंची उड़ान, आखिरकार 200 करोड़ क्लब में शामिल हुई फिल्म

ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फाइटर ने हार नहीं मानी। फिल्म ने आखिरकार बॉक्स ऑफिस पर ऊंची उड़ान भरकर ही दम लिया। फाइटर ने जैसे ही अपने गिरते कलेक्शन पर लगाम लगाई, फिल्म 200 करोड़ क्लब में एंट्री कर गई।

हालांकि, फाइटर को ये माइल स्टोन एचीव करने में काफी वक्त लग गया। 21 दिनों के लंबे सफर के बाद फिल्म ये मुकाम हासिल कर पाई है।ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फाइटर से मेकर्स को काफी उम्मीद थी, क्योंकि उनका मोटा पैसा इसके पीछे लगा था। स्टारकास्ट से लेकर कहानी तक, फिल्म में हर मसाला मौजूद है, लेकिन रिलीज के बाद फाइटर को बिजनेस करने में संघर्ष करना पड़ गया।ओपनिंग वीकेंड के बाद फाइटर को बॉक्स ऑफिस पर आगे बढने में काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। एक वक्त ऐसा भी आया, जब फिल्म की कमाई लगातार नीचे गिरती ही जा रही थी। इस बीच वैलेंटाइन वीक का फाइटर को थोड़ा फायदा मिला और कलेक्शन में उछाल आया।फाइटर ने वीकेंड पर ठीक–ठाक कमाई करने के बाद, तीसरे हफ्ते के वर्क डेज में भी बिजनेस पर अपनी पकड़ बनाई। फिल्म को इसका फायदा भी मिला। तीसरा हफ्ता खत्म होते–होते फिल्म 200 करोड़ क्लब में पहुंच गई। लेटेस्ट बिजनेस रिपोर्ट की ओर नजर डाले, तो फाइटर ने सोमवार को 1.15

और मंगलवार को 1.10 करोड़ का बिजनेस किया। रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को कमाई में थोड़ा इजाफा हुआ। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक फाइटर ने बुधवार को देशभर में 1.75 करोड़ का कमाए। इसके साथ ही फिल्म ने रिलीज के 21 दिनों में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 200.90 करोड़ का बिजनेस कर लिया है।

अब फिल्म ने 250 करोड़ क्लब की ओर निशाना साधा, लेकिन ये राह और भी मुश्किल होने वाली है, क्योंकि मुकाबले में कई फिल्में आने वाली है।

मिनी ड्रेस पहन इतराईं हिना खान, स्टाइलिश अदाओं से किया फैंस को मदहोश

हिना खान ने पिछले काफी समय से अपने किसी नए प्रोजेक्ट का ऐलान नहीं किया है. हालांकि, वह अपने स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक्स के कारण हर दिन चर्चा में जरूर बनी रहती हैं. आज फैंस उनकी एक झलक देखने के लिए बेताब रहने लगे हैं. आज हिना के चाहने वाले उनकी एक झलक देखने के लिए बेताब रहने लगे हैं. एक्ट्रेस भी फैंस के साथ जुड़ी रहने के लिए सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. ऐसे में हर दिन उनके लुक्स वायरल होते रहते हैं. अब फिर से हिना ने अपना क्यूट अंदाज दिखाया है.हिना ने कुछ देर पहले ही अपने इंस्टाग्राम पेज पर अपना नया लुक शेयर किया है. इसमें एक्ट्रेस रेड शेड की फ्लोरल प्रिंटेड शॉर्ट ड्रेस पहने हुए नजर आ रही हैं.

हिना ने अपने इस लुक को सटल बेस, न्यूड रेड लिप्स और स्मोकी आई मेकअप से कंप्लीट किया है. वहीं, एक्ट्रेस ने हाई बालों को हाफ बांधकर हेयर स्टाइल बनाया है. एक्सेसरीज के लिए हिना ने कानों में गोल्ड ईयररिंग्स कैरी किए हैं.हिना इस लुक में भी बहुत स्टाइलिश और ग्लैमरस दिख रही हैं. उन्होंने कैमरे के सामने अपनी अदाएं दिखाते हुए एक से एक किलर पोज दिए हैं. अब हिना के चाहने वाले उनकी इन अदाओं के भी दीवाने हो गए हैं. कुछ ही देर में हिना की फोटोज पर हजारों लाइक्स आ चुके हैं, जो तेजी से बढ़ते जा रहे हैं. वहीं, हिना के फैंस ने उनके इस लुक के लिए उन पर प्यार लुटाते हुए कई कमेंट्स भी किए हैं.

दूसरी ओर हिना के वर्क प्रोजेक्ट्स की बात करें तो हिना को पिछले साल रिलीज हुए म्यूजिक वीडियो बरसात आ गई में देखा गया था।

जब निर्देशक ने महिमा मकवाना से कहा तुमसे ना हो पाएगा, एक्ट्रेस ने सुनाया पूरा किस्सा

एक्ट्रेस महिमा मकवाना ने एक निर्देशक की सबसे घटिया बात के बारे में खुलासा किया। महिमा अपकमिंग सीरीज शोटाइम में महिका नंदी का किरदार निभाती नजर आएंगी। शो के ट्रेलर लॉन्च के दौरान महिमा ने कहा, एक निर्देशक ने मुझसे सबसे घटिया बात यह कही है कि तुमसे ना हो पाएगा। मैं सेट पर गयी, मैं पूरी तरह तैयार थी और जाहिर तौर पर नर्वस भी थी। वे मेरे पास आए और मुझसे कहा, तुम यहां क्या कर रही हो, मुझे नहीं लगता कि तुम फिल्मों के लिए बनी हो। शोटाइम में इमरान हाशमी, मौनी रॉय, राजीव खंडेलवाल, श्रिया सरन, विशाल वशिष्ठ, नीरज माधव, विजय राज और नसीरुद्दीन शाह प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह सीरीज फिल्मों की दुनिया, प्रोडक्शन हाउस और उनके काम करने के तरीके के बारे में विस्तार से बताती है। मिहिर देसाई और अर्चित कुमार द्वारा निर्देशित, यह शो धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है। शोटाइम 8 मार्च को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

क्या बेटी इशा देवल के पति भारत तख्नानी से अलग होने के कदम से नाखुश हैं धर्मेंद्र ?

सूत्र ने खुलासा किया, कोई भी माता–पिता अपने बच्चों के परिवार को टूटते हुए देखकर खुश नहीं हो सकते। यहां तक कि धर्मेंद्र जी भी एक पिता हैं और कोई भी उनका दर्द समझ सकता है। ऐसा नहीं है कि वह अपनी बेटी के अलग होने के फैसले के खिलाफ हैं। ईशा देओल और भरत तख्तानी ने 12 साल के वैवाहिक आनंद के बाद अलग होने की घोषणा की। इस खबर ने धर्मेंद्र समेत देओल परिवार के सभी लोगों को चौंका दिया। हेमा मालिनी द्वारा बेटी ईशा देओल को समर्थन देने की खबरों के बीच, एक अंदरूनी सूत्र ने खुलासा किया कि धर्मेंद्र चाहते हैं कि ईशा अलगाव पर पुनर्विचार करें और अपनी शादी बचाएं। एक अंदरूनी सूत्र ने खुलासा किया, ष्कोई भी माता–पिता अपने बच्चों के परिवार को टूटते हुए देखकर खुश नहीं हो सकते। यहां तक कि धर्मेंद्र जी भी एक पिता हैं और कोई भी उनका दर्द समझ सकता है। ऐसा नहीं है कि वह अपनी बेटी के अलग होने के फैसले के खिलाफ हैं, लेकिन उन्हें इस पर पुनर्विचार करने की क्या जरूरत है।अंदरूनी सूत्र आगे कहते हैं, श्ईशा और भरत दोनों धर्मेंद्र का बहुत सम्मान करते हैं। वह देओल परिवार के लिए बेटे की तरह हैं, जबकि ईशा पिता धर्मेंद्र की आंखों का तारा हैं और वह चाहते हैं कि वह हमेशा खुश रहें। चूँकि उनका परिवार इस बंधन में बंध रहा है, वह वास्तव में दुखी है, और यही कारण है कि वह चाहता है कि वे अलग होने पर पुनर्विचार करें। अंदरूनी सूत्र ने निष्कर्ष निकाला कि ईशा और भरत की दो बेटियां राध्या और मिराया हैं। वे अपने दादा–दादी और नाना–नानी के बहुत करीब हैं। अलगाव का बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ता है और इसलिए धरमजी को लगता है कि अगर शादी बचाई जा सकती है तो उन्हें बचाया

मकान गिरने से पति–पत्नी की दर्दनाक मौत

(आरएनएस) देवरिया(उ0प्र0) देवरिया जिले देर रात्रि थानाक्षेत्र कोतवाली देवरिया अन्तर्गत मोहल्ला मेहड़ा पुरवा निवासी जितेन्द्र प्रसाद (जाति–हरिजन, उम्र 26वर्ष) पुत्र स्व0शीतल प्रसाद का पुराना जर्जर मकान अकस्मात गिर गया, जिसमें सो रहे जितेन्द्र प्रसाद व उनकी पत्नी बाबी देवी (उम्र 24 वर्ष) की मकान में दबने से मौके पर ही मृत्यु हो गयी, तथा उनकी बड़ी साली चन्द्रकला देवी (28वर्ष) पत्नी चन्दन कुमार निवासिनी विजयीपुर थाना विजयीपुर जिला गोपालगंज (बिहार प्रान्त) गम्भीर रूप से घायल हो गयी। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस द्वारा गम्भीर रूप से घायल चन्द्रकला देवी को जिला चिकित्सालय देवरिया लाया गया, जहां चिकित्सको द्वारा उनकी स्थिति की गम्भीरता को देखते हुए बीआरडी मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया, जहां पर उनका इलाज जारी है।

रेल और देश को नही बेचने देंगे– मनोज पाण्डेय

नागरिक अधिकारों के खात्मे के साथ ही देश राजा और प्रजा के दौर में जा रहा है- डा कमल उसरी

प्रयागराज (आरएनएस)। आज संयुक्त किसान मोर्चा और संयुक्त ट्रेंड यूनियंस के आह्वान पर ग्रामीण भारत बंद और औद्योगिक हड़ताल के समर्थन में कई दफ्तरों में हड़ताल व गंगापार, यमुनापार के ग्रामीण क्षेत्र को बंद करते हुए छात्र, किसान, नौजवान, मजदूर, कर्मचारी, अधिवक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता संयुक्त रूप से धरना स्थल, पत्थर गिरजाघर, सिविल लाइंस में इकट्ठे होकर हुए हड़ताली आम सभा की।हड़ताली आम सभा को सम्बोधित करते हुए इंडियन रेलवे इम्प्लाइज फेडरेशन सम्बद्ध ऐक्टू, राष्ट्रीय अध्यक्ष कॉम मनोज पाण्डेय ने कहा कि आज हम लोग जहाँ रेलवे के निजीकरण के खिलाफ और ओपीएस बहाली के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं सरकार की चाटुकार रेलवे में मान्यता प्राप्त फेडरेशन द्वारा कर्मचारियों से की जा रही धोखाधड़ी के खिलाफ भी लड़ाई लड़ रहे हैं। हम आम आवाम के सहयोग से रेल और देश को नही बेचने देगें और पुरानी पेन्शन के लिए वोट पर चोट करके कर्मचारी विरोधी सरकार को सबक सिखाएंगे।ऑल इंडिया सेंट्रल कॉउंसिल ऑफ ट्रेंड यूनियंस ष्ऐक्टूष राष्ट्रीय सचिव डॉ कमल उसरी ने कहा कि वर्तमान केंद्र व राज्य सरकार श्रमिक कानूनों सहित नागरिक अधिकारों को खत्म करके पुनः देश को राजा–प्रजा के दौर में ले जा रही है। आज का ग्रामीण भारत बंद व औधोगिक हड़ताल पूरी तरह से सफल रहा है, आज की बन्दी और हड़ताल निजीकरण के खिलाफ सार्वजनिक क्षेत्र, भारत के संविधान, लोकतंत्र और देश को बचाने के लिए जारी लड़ाई का हिस्सा है। आइसा प्रदेश उपाध्यक्ष इलाहाबाद विश्वविद्यालय शोध छात्र मनीष कुमार ने कहा आज छात्र विश्विद्यालय के कैम्पस से बाहर निकलकर किसानों मजदूरों के साथ हड़ताल में भागीदारी कर रहे हैं। प्रो अजय सिंह ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान को ऊँचाई पर ले जाने में वहां कार्यरत शिक्षक कर्मचारियों की बड़ी भूमिका होती है, आज शुआट्स का देश दुनिया मे जो सम्मान बढ़ा है, उसमें इन शिक्षकों कर्मचारियों का खून पसीना शामिल हैं, इसलिए हम सरकार और प्रबंधन से मांग करते है कि महीनों से वेतन भुगतान न होने से भुखमरी के कगार पर पहुंच चुके शिक्षक कर्मचारियों के बकाए वेतन का तत्काल भुगतान किया जाय।हड़ताली आम सभा मे मुख्य रूप से नार्थ सेंट्रल रेलवे वर्कर्स यूनियन से सैयद इरफात अली, शिवेन्द्र प्रताप सिंह, रामकिशोर, सिद्धार्थ, संदीप सिंह नार्थ सेंट्रल रेलवे ठेका वर्कर्स यूनियन से बबली, इफको फूलपुर ठेका मजदूर संघ से त्रिलोकी पटेल, त्रिभुवन यादव, जय प्रकाश प्रजापति, दैनिक वेतन विधुत कर्मचारी संघ से एस सी बहादुर, इलाहाबाद मोटर एंड ड्राइवर वर्कर्स यूनियन से फूलचंद, इलाहाबाद मेडिकल वर्कर्स यूनियन से श्याम, शुआट्स संयुक्त मोर्चा से डा. अजय सिंह, डा. आर एन शुक्ला, डा. कैलाश यादव, डा. एन के गुप्त, प्रदीप मशिह, मुनेश्वर, डेविड मुन, अनमोल, अमलेनदु उपाध्याय इत्यादि लोग शामिल रहे। हड़ताली आम सभा के बाद विभिन्न मांगों का ज्ञापन राज्यपाल उत्तर प्रदेश को संबोधित एसीपी सिविल लाइंस प्रयागराज श्वेताभ पाण्डेय को सौंपा गया। हड़ताली आम सभा की अध्यक्षता कॉम एस सी बहादुर और संचालन डॉ कमल उसरी ने किया।

हंशु के बहुमुखी खेल से सोनावती क्लब को मिली जीत

चौधरी नौनिहाल को भी मिले पूर्ण अंक

प्रयागराज (आरएनएस)। हंशु यादव के बहुमुखी खेल (47 रन, 41 गेंद, छह चौके, एक छक्के एवं 4 – 0 – 25 – 3) की बदौलत सोनावती क्रिकेट क्लब ने द्वितीय अमृतलाल स्मारक अंडर–16 क्रिकेट प्रतियोगिता में फोर्ड स्कूल क्रिकेट क्लब को सात विकेट से और चौधरी नौनिहाल सिंह क्रिकेट क्लब ने किशोरी लाल क्रिकेट क्लब को 61 रन से हराकर पूर्ण अंक अर्जित किए है। शुक्रवार को ईश्वर शरण इंटर कॉलेज मैदान पर पहले मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चौधरी नौनिहाल सिंह क्रिकेट क्लब ने 22 ओवर में आठ विकेट पर 175 रन (विराट सिंह 36, हार्दिक नारायण तिवारी 28, नितिन मौर्य 27, अनमोल यादव 22 रन, सुयश शुक्ला 3४53, नीरज तिवारी 2४12, शौर्य सिंह 1४06) पर बनाए। जवाब में किशोरी लाल क्रिकेट क्लब की टीम ने 17.5 ओवर में 114 रन (हर्षित तिवारी 21, नीरज तिवारी व सौम्य तिवारी 15 –15 रन, आशुतोष भास्कर 3४27, मो. अली खान व अमन शुक्ला 2 –2 विकेट, आदर्श पांडेय 1४08) ही बना सकी। दूसरे मैच में फोर्ड स्कूल क्रिकेट क्लब पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.4 ओवर में 126 रन (अनमोल पाल 55, अनुराग शुक्ला 24, प्रभात 12 रन, हंशु यादव 3४25, संस्कार सिंह 2४21, अंशुमान पटेल 1४05, आदर्श सिंह 1४14) पर बनाए। जवाब में सोनावती क्रिकेट क्लब की टीम ने 17.4 ओवर में तीन विकेट 131 रन (प्रतीक शुक्ला 53 नाबाद, हंशु यादव 47, आयुष त्रिपाठी 19 रन, युग यादव 2४28) पर बना लिए।

कहरौआ लोकनृत्य देख झूमे लोग

अवलोकन मिश्रिख राजू चलो रे में रामोत्सव का पंचम दिवस

राज्य ललित कला अकादमी का तीन दिवसीय चित्रकार शिविर 21फरवरी से

प्रयागराज (आरएनएस)। संस्कार भारती प्रयागराज के मंच पर पांचवे दिन काशी प्रांत के अध्यक्ष डा गणेश अवस्थी का अंग–वस्त्र से प्रयागराज के अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार मिश्र ने स्वागत किया। प्रभु श्रीराम को समर्पित उत्तम राय प्रयागराज का सूफी गायन, प्रतापगढ़ के राजवेणु के लोकगीतों की भक्तिपूर्ण प्रस्तुति दीं। आजमगढ़ के देवीप्रसाद तिवारी दल ने प्रभावशाली कहरौआ लोकनृत्य प्रस्तुत किया। वाराणसी के अभिजीत चक्रवर्ती ने कथक तथा प्रयागराज की मीनू तिवारी एवं दल अनेक गीत–नृत्य की प्रस्तुति से दर्शकों की तालियां बटोरीं। संतोष पांडेय ने मंच संचालन किया।इस दौरान दीपक शर्मा, सुशील राय, राजन, प्रेमलता मिश्र, रेखा तिवारी, रवीन्द्र कुशवाहा एवं विशाल यादव आदि अनेक श्रद्धालु कार्यक्रम के साक्षी बने।संस्कार भारती के चित्रकला संयोजक रवीन्द्र कुशवाहा ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय चित्रकला शिविर रामोत्सव संस्कार भारती के माघमेला–क्षेत्र में स्थित शिविर में 19 फरवरी से 21फरवरी तक आयोजित होगा

हाइटेंशन लाइन में काम कर युवक करंट की चपेट में आकर खम्भे से गिरा

– कानपुर ले जाते समय रास्ते मे हुई मौत

सुमेरपुर–हमीरपुर(आरएनएस)। सुमेरपुर क्षेत्र के चन्दपुरवा मौजा में नलकूप की हाईटेंशन लाइन को ठीक करते समय एक प्राइवेट कर्मी करंट की चपेट में आकर खंभे से गिर गया। जिसे गंभीर हालत में प्राथमिक स्वास्थ्य के लाया गया। जहां से सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। हालत नाजुक होने पर कानपुर ले जाते समय इसकी मौत हो गई। परिजनों ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया। चंदपुरवा गांव निवासी रमेश श्रीवास का पुत्र प्रमोद (28) वर्ष प्राइवेट तौर पर विद्युत कर्मी के रूप में काम करता था। गुरुवार को शाम करीब 7 बजे यह चंदपुरवा मौजा के किसी नलकूप की विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर उसे ठीक कर रहा था। तभी विद्युत सप्लाई चालू हो जाने से करंट की चपेट में आकर खंभे से नीचे आ गिरा। मौके में मौजूद साथियों ने इसे तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाएं। जहां से सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने इसे प्राथमिक उपचार के बाद कानपुर रेफर कर दिया। कानपुर ले जाते समय इसकी रास्ते में मौत हो गई। परिजनों ने वापस आकर मुख्यालय में शव को मोर्चरी में रखवा दिया। अचानक हुई इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। पिता मजदूरी का काम करता है। मृतक तीन भाइयों में सबसे बड़ा और अविवाहित था। अवर अभियंता ने बताया कि मृतक को वह नहीं जानते है। वह चलती लाइन में कार्य कर रहा था तभी घटना हो गई है। बताया कि गांव के लोग घटना के बाद स्कूल के पास तार टूटने की सूचना देकर लाइन बंद कराई थी। एसडीओ एसपी मिश्रा का कहना है कि मृतक विभाग का कर्मी नहीं है। शायद मृतक चलती लाइन में काम कर रहा होगा।

तभी करंट की चपेट में आ गया होगा। उधर मृतक के पिता का आरोप है कि चन्दपुरवा फीडर के लाइनमैन अशोक के कहने पर उसका पुत्र काम करता था। बिना शट डाउन लिए उसने पुत्र को खंभे में चढ़ा दिया था। जिससे यह घटना हुई है।

कई फसलों का न्यूनतम मूल्य दो गुने से भी ज्यादा- सूर्य प्रताप शाही

कृषि मंत्री बोले यूपी में भारत बंद का नहीं है असर

प्रयागराज (आरएनएस)। यूपी के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि प्रदेश में किसानों को उनकी उपज का पूरा लाभ मिल रहा है। कई फसलों का न्यूनतम मूल्य दो गुने से भी ज्यादा कर दिया गया है। किसान आंदोलन का यूपी में कोई असर नहीं है। कुछ लोग अपना हित साधने के लिए किसानों को बरगला रहे हैं।

योगी सरकार में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भारत बंद का कोई असर नहीं है। यहां के किसानों की हर समस्या का समाधान सरकार कर रही है। कुछ लोग राजनैतिक बहकावे में आकर भारत बंद का आह्वान कर रहे हैं। योगी सरकार के सात साल में किसानों को दो लाख 35 हजार से ज्यादा गन्ना मूल्य का भुगतान किया जा चुका है। किसानों के आंदोलन में तमाम ऐसे लोग भी शामिल हैं जो किसान हैं ही नहीं। वह अन्नदाताओं को बरगलाकर अपना हित साधने का कार्य कर रहे हैं। कृषि मंत्री शुक्रवार को पटेल संस्थान में आयोजित पांच दिवसीय कृषि प्रदर्शनी का उद्घाटन करने पहुंचे थे।

उन्होंने कहा कि यूपी सरकार ने इसी साल 30 रुपये कुंतल गन्ने का मूल्य बढ़ाया है। योगी आदित्यनाथ के के सात साल के कार्यकाल में अब तक 55 रुपये प्रति कुंतल दाम बढ़ चुके हैं। किसान आंदोलन का समर्थन करने वाली कांग्रेस ने देश में शासन के दौरान स्वामीनाथन कमेटी की सिफारिशों को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। कांग्रेस एमएसपी की गारंटी नहीं मानती थी। मोदी सरकार में किसानों को कई फसलों का डेढ़ से दो गुना दाम मिल रहा है।

बाजरे का मूल्य यूपीए सरकार में 1250 रुपये प्रतिकुंतल था जो अब 2500 रुपया हो गया है। इसी तरह धान का समर्थन मूल्य पहले 1310 रुपये प्रतिकुंतल था आज सरकार 2183 रुपये किसानों को दे रही है। गेहूं का 1400 रुपये थी, जिसे बढ़ाकर 2250 किया गया है। उत्तर पदेश सरकार ने 1.15 हजार करोड़ रुपये अनाज के उत्पादन की खरीदारी की गई है। सपा और बसपा के 15 वर्ष के शासन काल में इतने बड़े पैमाने पर खरीदारी नहीं हुई थी। किसानों को जागरुक करने के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। पिछले सात सालों में 52000 सोलर पंप किसानों को दिया जा चुका है। 30 हजार सोलर पंप फिर तैयार हो गए हैं, जिनको किसानों को दिया जाना है।

पूरी दुनिया में बज रहा है सनातन धर्म का डंका– स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी

प्रयागराज (आरएनएस)। माघ मेले में अखिल भारतीय धर्म संघ के शिविर में आयोजित युवा चेतना में स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने कहा कि माता ललिता जी का सात दिनों से वृहद अनुष्ठान हो रहा है, ताकि माता और शक्ति प्रदान करें और युवा शक्ति अधिक श्रम करे, जिससे भारत माता का वैभव और बढ़े।स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने कहा की सनातन धर्म का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। नौजवानों का जोश और वरिष्ठों के अनुभव का सही गठबंधन रहेगा तो हम और आगे जाएंगे। भारत में रामराज्य स्थापित हो गया है।सांसद नीरज शेखर ने कहा की 2019 में पहली बार अर्द्धकुंभ में आया था। पहली बार माघमेले में आया हूं। इसका श्रेय मैं स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी और युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह को देता हूं। कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के महानायक हैं आज उनके नेतृत्व में सभी देश भारत के पीछे खड़े हैं। पहले लोग अपने आपको हिंदू कहने में डरते थे, लेकिन आज सब बोल रहे हैं कि गर्व से कहो मैं हिंदू हूं। कहा कि आजकल कुछ लोग चुनाव के मौसम में हिंदू बने हैं। जनता सब देख रही है। युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह ने कहा की आम नौजवानों को शक्ति और प्रतिष्ठा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पहली बार प्राप्त हुआ। पूर्व की सरकारों ने राजा–राजकुमारों के वंश को आगे बढ़ाया लेकिन आज देश में खेत में खुरपी चलाने वाले किसान और मजदूर का बेटा मुख्यधारा में है। शुक्रवार को भारत विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसके पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी, सांसद नीरज शेखर, युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। इस दौरान मुकेश पांडेय, सत्यम अवस्थी. आदर्श पासवान, सुभाष यादव, अधिवक्ता प्रकाश चंद्र दुबे, कृष्ण शुक्ला, राहुल, संदीप पांडेय, अधिवक्ता बीपी शुक्ला, सन्नी तिवारी, मोहन सिंह, चमचम तिवारी आदि उपस्थित रहे।

डीएम कार्यालय के बाबू को रिश्वत लेते एंटी करप्शन ने किया गिरफ्तार

प्रयागराज (आरएनएस)। एंटी करप्शन टीम ने जिलाधिकारी कार्यालय में तैनात बाबू को रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा है। बाबू की गिरफ्तारी के बाद कार्यलाय परिसर में हड़कंप मच गया। गिरफ्तार आरोपी बाबू को टीम ने कर्नलगंज पुलिस को सौंप दिया है। बताया जाता है कि मेजा थाना क्षेत्र निवासी अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन में उत्तर प्रदेश प्रभारी उदय सिंह कंस्ट्रक्शन कंपनी चलाते हैं। उन्होंने हैसियत प्रमाणपत्र बनवाने के लिए आनलाइन आवेदन किया था। आरोप है कि प्रक्रिया पूरी होने के बाद फाइल जिलाधिकारी कार्यालय आई तो बाबू ने 12 हजार रुपए की मांग की। इसकी शिकायत उदय सिंह ने एंटी करप्शन टीम से की। इसके बाद एंटी करप्शन टीम के प्रभारी ट्रैप टीम निरीक्षक अंजलि यादव, निरीक्षक उपेंद्र सिंह यादव, निरीक्षक रविंद्र सिंह, निरीक्षक ठाकुर दास सहित कई सदस्यों ने बाबू गिरीश श्रीवास्तव को रंगेहाथों धर दबोचा। इसकी जानकारी होने पर कलेक्ट्रेट परिसर में हड़कंप मच गया। बाद में कर्नलगंज थाना में आरोपी बाबू को सौंपकर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

हाईवे सहित स्टेट हाईवे में संचालित हो रहे अवैध टैंपो स्टैंड राहगीर परेशान

सुमेरपुर–हमीरपुर(आरएनएस)। कस्बे में नेशनल हाईवे सहित स्टेट हाईवे में जगह–जगह अवैधा टेंपो स्टैंड संचालित होने से उनकी धमाचौकड़ी से दिनभर जाम का झाम बना रहता है। इससे कस्बा वासियों के साथ अन्य राहगीर परेशान रहते हैं। सुमेरपुर कस्बे के मध्य से नेशनल हाईवे 34 के साथ स्टेट हाईवे सुमेरपुर पैलानी मार्ग गुजरता है। इन दोनों मार्गों में कस्बे के अंदर आधा दर्जन स्थानों पर अवैध टेंपो स्टैंड संचालित हैं। दिनभर सैकड़ो टेंपो इन स्थानों पर धमाचौकड़ी मचाते हैं। नेशनल हाईवे सहित स्टेट हाईवे के ऊपर बने इन अवैध टेंपो स्टैंड में टेंपो के खड़े होने से जाम का झाम पैदा हो जाता है। इससे बस स्टांप के आसपास के अलावा सब्जी मंडी चौराहा, देवगांव चौराहा

श्रद्धांजलि सभा का हुआ आयोजन

हमीरपुर(आरएनएस)। दिव्यांगजन के राष्ट्रीय संगठन सक्षम के तत्वाधान में पुलवामा हमले में शहीद बलिदानों को नमन करते हुए दिव्यांग जनों ने मोमबत्ती जला के श्रद्धांजलि अर्पित की और 2 मिनट का मौन रखा। इस श्रद्धांजलि सभा में मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष विवेक कुमार मिश्रा, जिला अध्यक्ष देव नारायण सोनी, सहसंयोजक दुर्गेश कुमार प्रजापति, अवधेश कुमार पाल एडवोकेट, महेंद्र पाल सिंह रहे।

आस्था समिति की नाट्य प्रस्तुति बड़े घर की बेटी का सफल मंचन

प्रयागराज (आरएनएस)। नगर की सांस्कृतिक संस्था ष्आस्था समितिष द्वारा प्रख्यात नाटककार मुंशी प्रेमचंद कृत नाटक ष्बड़े घर की बेटीष का मंचन उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के कला भवन में किया गया। युवा रंगकर्मी अंजलि द्वारा निर्देशित नाटक ष बड़े घर की बेटीष एक ऐसी महिला पर आधारित है जो एक संपन्न परिवार से ब्याह कर ससुराल आती है। पिता के घर अत्यधिक सुख सुविधा में पली बढ़ी जब वह ससुराल पहुंचती है तो तमाम प्रकार के दुर्व्यवहार और अत्याचार के बावजूद वह किसी का अपमान नही करती। वह सबकुछ सहन करती है और सभी से मधुर संबंधा बनाए रखती है। नाटक के माध्यम से यह बताने का प्रयास किया गया कि लड़की अगर चाहे तो विपरीत परिस्थितियों में भी परिवार को टूटने से बचा सकती है। कलाकारों के सशक्त अभिनय ने पूरे समय दर्शकों को नाटक से बांधे रखा।आनंदी की भूमिका में श्रिया सिंह, श्रीकंठ की भूमिका में हरशालराज, लाल बिहारी की भूमिका में शरद कुशवाहा, ठाकुर साहब की भूमिका में मदन कुमार ने दर्शकों को बहुत प्रभावित किया। प्रकाश व्यवस्था अभिषेक गिरि, मंच व्यवस्था रमेश चंद, सेट निर्माण आरिश जमील, अंकित पांडे, रूप सज्जा हमीद अंसारी की थी। प्रस्तुति परिकल्पना यशराज अनुज मिश्रा, सह निर्देशक कौस्तुभ पांडे थे। संस्था के महासचिव मनोज गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया जबकि धन्यवाद ज्ञापित संस्था के अध्यक्ष बृजराज तिवारी ने किया। यह नाट्य प्रस्तुति संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से की गई।

मुविवि में उद्यम अभिमुखीकरण कार्यक्रम आज

प्रोफेसर सी डी सिंह देंगे योजनाओं की जानकारी

प्रयागराज (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश शासन की पहल पर शनिवार 17 फरवरी 2024 को अपराह्न 3रू00 बजे उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में उद्यम अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है । मुविवि के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर सी डी सिंह, पूर्व कुलपति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक, मध्य प्रदेश होंगे। कार्यक्रम में अरविंद कुमार चौहान उपाध्यक्ष, प्रयागराज विकास प्राधिकरण, प्रयागराज उ प्र शासन द्वारा नामित प्रतिनिधि के रूप में प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रोफेसर पी के पांडेय, निदेशक शोध एवं विकास मुविवि ने विश्वविद्यालय के छात्रों से उक्त कार्यक्रम में उपस्थित रहने की अपील की है।

प्रधानमंत्री योजनाओं की जानकारियां दी गई

प्रयागराज (आरएनएस)। प्रधानमंत्री द्वारा गांव चलो अभियान के तहत प्रधानमंत्री योजना के क्या–क्या लाभ है और किस तरह से प्रधानमंत्री योजनाओं का लाभ लिया जा सकता है जिसको लेकर प्रयागराज भारतीय जनता पार्टी के मंडल के महामंत्री सतीश केसरवानी वा भाजपा युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष विनय कुमार यादव के द्वारा खुल्दाबाद मंडल नया पुरवा भावपुर हिम्मतगंज बेनीगंज पुष्पांजलि नगर वा अन्य क्षेत्र मैं भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा प्रधानमंत्री द्वारा संचालित तमाम योजनाओं की जानकारियां जन–जन तक पहुंचाई गई। जिसमें लोगों को लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान भाजपा युवा मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष विनय कुमार यादव, महामंत्री सतीश केसरवानी, वीरे जी, शिवम प्रजापति, रोहित सोनकर वा पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं ने जानकारियां पहुंचाई और इसका लाभ कैसे प्राप्त होगा उसकी जानकारियां भी लोगो को दिया गया।

न्याय यात्रा को लेकर अल्पसंख्यकों में उत्साह- अरशद अली

प्रयागराज (आरएनएस)। अल्पसंख्यक कांग्रेस द्वारा पूर्व शहर अध्यक्ष नफीस अनवर के आवास पर नफीस अनवर की अध्यक्षता में राहुल गांधी की न्याय यात्रा की तैयारी को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया।इस मौके पर प्रदेश सचिव इलाहाबाद प्रभारी इमरान खान ने लोगो से अपील करते हुए कहा कि राहुल गांधी के न्याय यात्रा 18 तारीख को प्रयागराज आ रही है। जन नायक राहुल गांधी के स्वागत के लिए चलने के लिए बैठक में आए लोगों से ज्यादा संख्या में यात्रा में शामिल होने का आग्रह किया गया

इस मौके पर पूर्व प्रदेश महासचिव एवं पीसीसी सदस्य फुजैल हाशमी ने कहा राहुल गांधी इलाहाबाद अपने घर आ रहे हैं। अतरू हम सबको उनके न्याय यात्रा में ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल होना चाहिए और ऐतिहासिक यात्रा का हिस्सा बनाना चाहिए

अल्पसंख्यक कांग्रेस के शहर अध्यक्ष अरशद अली और पूर्व शहर अध्यक्ष नफीस अनवर ने बैठक में बताया राहुल गांधी न्याय यात्रा में अल्पसंख्यक समाज के लाखो लोग जिसमे महिला, बच्चे, जवान, और बुजुर्ग न्याय यात्रा में शामिल होकर गंगा यमुना तहजीब की अलग मिशाल पेश करेगे।इस मौके पर प्रदेश सचिव एंव इलाहाबाद प्रभारी इमरान खान,

बढ़ते हुए भारत के कदम अब रुकने वाले नहीं– राजेंद्र मिश्रा

प्रयागराज (आरएनएस)। विकसित भारत संकल्प यात्रा मुट्ठीगंज और कन्या चौराहे पर एवं गोविंदपुर सब्जी मंडी तिराहा पर आयोजित की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा मोदी सरकार की गारंटी की यात्रा है जो भारत को आत्मनिर्भर स्वच्छ, स्वस्थ, शक्तिशाली एवं विकसित भारत के निर्माण के लिए निकली है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का परचम पूरी दुनिया में लहरा रहा है और भारत बड़ी तेजी के साथ हर क्षेत्र में आगे बढ़ता जा रहा है। कोई कितना भी कोशिश क्यों न कर ले अब भारत के बढ़ते हुए कदम रूकने वाला नहीं है।इस अवसर पर भाजपा नेता योगेश शुक्ला एवं भाजपा मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने विकसित भारत के निर्माण में अपने विचार रखे तत्पश्चात उपस्थित लोगों ने विकसित भारत निर्माण के लिए संकल्प लिया।मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी बताया कि इस अवसर पर विकसित भारत का कैलेंडर टी–शर्ट वितरित किया गया

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।